श्रावण शुक्ल पक्ष -3, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-10, अंक - 41 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

भोपाल शनिवार 15 अगस्त 2026

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

80 वां स्वतंत्रता दिवस... युवाओं पर फोकस, AI स्किल्स की ट्रेनिंग और फ्री कोचिंग का ऐलान

लाल किले से मोदी बोले- दिमागी नक्सलियों को पहचान कर अलग करें, ये समाज को भटका रहे

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर पीएम मोदी ने लाल किले से 76 मिनट देशवासियों को सम्बोधित किया । पीएम ने कहा- 'हथियारी नक्सल तो चले गए, लेकिन दिमागी नक्सल मौके की तलाश में हैं। समाज को गलत राह पर ले जाने के लिए तरह-तरह के काम कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसे लोग हिंसा - अराजकता के रास्ते खोज रहे हैं। इन दिमागी नक्सलियों को पहचानना होगा और इन्हें अलग - थलग करना होगा और विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में देश की युवा पीढ़ी को जोड़ना होगा।'

पीएम ने युवाओं के लिए बड़ी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने बताया कि सरकार अगले एक साल में 1 करोड़ युवाओं को ढ्ढ स्किल्स की ट्रेनिंग देगी। गरीब और मिडिल क्लास परिवारों के युवाओं के लिए कई परीक्षाओं की फ्री ऑनलाइन कोचिंग दी जाएगी। इससे पहले लाल किले पर पहली बार वंदे मातरम गाया गया। पीएम ने तिरंगा फहराया। उसके बाद राष्ट्रगान हुआ और 21 तोपों की सलामी दी गई।

महिला आरक्षण पर प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी माताओं बहनों को लोकसभा और विधानसभा में 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व मिले। वे भारत की नीति में अपना योगदान दें। समय की मांग है। मैं सभी राजनीतिक दलों से आग्रह करता हूं। आइए महिला आरक्षण लागू करके महिलाओं के सम्मान में आप भी जुड़िए और क्रेडिट लीजिए लेकिन मेरी माताओं बहनों को हक दीजिए। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। हमारी दिशा तय हो चुकी है। हमें उसे प्राप्त करके रहना है। इसके लिए हमें हमारे वर्क कल्चर और हमारी सोच को भी बदलना होगा। जो काम पिछले 5-7 दशक में नहीं हुए हैं, वो काम हमें आगामी 5-7 साल में करने हैं। एक समय था जब मैं आत्मनिर्भरता की बात कर रहा था तो कुछ एयर कंडीशंड चेंबर में बैठकर सोचने वाले लोग हमें बता रहे थे कि ग्लोबलाइजेशन का क्या होगा, लेकिन पूरी दुनिया देख रही है कि पिछले एक दशक में ऐसा लग रहा है कि लोगों ने ग्लोबलाइजेशन बोलना ही बंद कर दिया।

महिलाओं के आरक्षण पर पार्टियां राजनीति न करें

आत्मनिर्भरता के लिए अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है

2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना लक्ष्य

» युवाओं को ट्रेनिंग और आत्मनिर्भरता

पीएम ने कहा - 'एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल्स की ट्रेनिंग दी जाएगी। इसके साथ ही छात्रों के लिए ऑनलाइन फ्री कोचिंग व्यवस्था की शुरुआत भी की जाएगी।' बीते सालों में हमारा दृढ़ विश्वास रहा है कि भारत को अब दूसरे देशों पर निर्भर रह कर नहीं जीना है। हमें आत्मनिर्भर बनना चाहिए। दुनिया में बहुत कुछ मिलता है, सस्ता मिलता है, जल्दी मिलता है लेकिन उससे हमारा सामर्थ्य तैयार नहीं होता। इसलिए हमें भी अपनी क्षमताओं को बढ़ाना है। अपने हितों की सुरक्षा हमें खुद करनी है इसलिए आत्मनिर्भर भारत का संकल्प लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं। अब छोटे सपनों से काम चलने वाला नहीं है। हमें बड़े सपने देखने होंगे क्योंकि बड़े सपने हमारी सोच को भी विस्तार देते हैं। हमारे संकल्प दृढ़ होने चाहिए। जब संकल्प दृढ़ होता है तो कठिनाईयों से, आपदाओं के बीच से रास्ते निकालने का सामर्थ्य अपने आप उभर कर आता है।

» योग ने पूरी दुनिया को भारत से जोड़ा

पीएम ने कहा- सप्तधारा की सातवीं शक्ति है भारत का सॉफ्ट पॉवर । इसकी ताकत है योग। इसने पूरी दुनिया को भारत के साथ जोड़कर रखा है। भारत के पास आस्था के केंद्र हो, आर्युवेद हो, होलिस्टिक हेल्थकेयर, हील इन का मूवमेंट हो, हैंडीक्राफ्ट, संस्कृति, फिल्में, गेमिंग, क्रिएटिव वर्ल्ड हो, वीएफएक्स, एनिमेशन, डिजिटल कंटेंट हो। इसमें हम अपना रुतबा दिखा सकते हैं। हमें इसको वैश्विक सामर्थ्य के रूप में विकसित करना होगा। दुनिया आज भारत का वर्ल्ड ऑडियो विजुअल और एंटरटेनमेंट समिट का इंतजार करती है।

2027 होगा युवा वर्ष, सीएम यादव ने पेश किया एमपी के विकास का रोडमैप

भोपाल, दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस का राज्य स्तरीय मुख्य समारोह भोपाल के लाल परेड ग्राउंड में हुआ। यहां सुबह 9 बजे मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तिरंगा फहराया। इसके बाद परेड की सलामी ली। इसके बाद सीएम ने प्रदेश के विकास का खाका पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि वर्ष 2027 को मध्य प्रदेश में 'युवा वर्ष' के रूप में मनाया जाएगा। अगले ढाई साल में सरकार का मुख्य फोकस युवाओं, रोजगार, स्टार्टअप और बड़े निवेश पर रहेगा।

हर साल 1 लाख नौकरियां

मुख्यमंत्री ने कहा सार्वजनिक क्षेत्र में प्रतिवर्ष एक लाख से अधिक रोजगार के अवसर दिए जाएंगे। युवाओं को आईटीआई में ट्रेनिंग और 10 हजार युवाओं को ग्लोबल स्किल पार्क में ट्रेंड किया जाएगा। शिक्षा, कौशल, स्वरोजगार, स्टार्टअप, खेल-संस्कृति, शोध और नेतृत्व क्षमता विकास के 7 पिलर्स पर काम होगा। उद्योग और सरकार के बीच बेहतर तालमेल के लिए अलग प्लेसमेंट सेल बनेगा। स्टार्टअप और निवेश की नई उड़ान के लिए प्रदेश तैयार है।

हर जिले में इन्क्यूबेशन सेंटर

प्रदेश में 100 नए इन्क्यूबेशन सेंटर बनाए जाएंगे, जिससे हर जिले में कम से कम एक सेंटर होगा। स्टार्टअप्स में वर्तमान के 8 हजार महिला नेतृत्व वाले स्टार्टअप्स को बढ़ाकर 12 हजार से अधिक करने का लक्ष्य है। 34 लाख करोड़ रुपए के प्रस्तावों में से 10 लाख करोड़ से ज्यादा का निवेश जमीन पर उतर चुका है। धार में 21,500 करोड़ का PM मित्र पार्क वस्त्र उद्योग को नई दिशा देगा।

जांच में जुटी पुलिस

गुरुग्राम की जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी में आतंकी होने की सूचना से मचा हड़कंप

सोहना (गुरुग्राम)। गुरुग्राम के सोहना में जीडी गोयनका यूनिवर्सिटी परिसर में रात के समय आतंकवादी होने की सूचना मिलने से पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए यूनिवर्सिटी परिसर और आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी। देर रात तक पुलिस की कई टीमें संदिग्ध गतिविधियों की जांच में जुटी रहीं। पुलिस की ओर से परिसर में आने-जाने वाले लोगों की गतिविधियों पर भी नजर रखी गई। हालांकि, देर रात तक की जांच में किसी आतंकवादी के मिलने या किसी तरह की आपत्तिजनक गतिविधि की पुष्टि नहीं हुई।

आईईडी ब्लास्ट मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

शिमला। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने सोलन जिले के नालागढ़ पुलिस थाना के समीप हुए आइईडी धमाके मामले में तीन मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान महावीर कुमार उर्फ काका, अजय मेहरा और मनप्रीत सिंह उर्फ मणि के रूप में हुई है।

एक्सप्रेस-वे पर हादसा

खाटूश्याम जा रहे परिवार की कार खड़े ट्रक में पीछे से टकराई, 4 की मौत, 5 घायल

रतलाम। रतलाम जिले के शिवगढ़ के पास दिल्ली-मुंबई 8 लेन एक्सप्रेस पर शुक्रवार रात अर्टिगा कार रोड पर खड़े ट्रक में पीछे से जा घुसी। टक्कर इतनी खतरनाक थी कि कार घसीटते हुए आगे जाकर पलट गई। कार के परखच्चे उड़ गए।

कार में सवार 9 लोगों में से 4 की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं व एक पुरुष शामिल है। पांच लोग घायल हो गए, जिनमें 2 बच्चे भी शामिल हैं। हादसा शुक्रवार देर रात का बताया जा रहा है। रात में सूचना मिलने पर एनएचआई की एंबुलेंस के स्टाफ संजय चरपोटा, पायलट प्रताप समेत अन्य स्टाफ मौके पर पहुंचा। शिवगढ़ थाना पुलिस भी पहुंची। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सभी लोग कार में दब गए।

ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चार मजदूरों की मौत

लखनऊ। सुल्तानपुर हाईवे पर गंगागंज के पास आज तड़के ईंटों से लदा ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से उसके नीचे दबकर चार मजदूरों की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर गोसाईगंज पुलिस, फायर सर्विस और एनएचएआई की टीम मौके पर पहुंची। क्रेन की मदद से ट्रैक्टर-ट्रॉली हटाकर चारों को बाहर निकाला गया।

तकनीकी खराबी

बैंकॉक एयरपोर्ट पर 28 घंटे से फंसे 200 यात्रियों को लेकर आई एयरइंडिया फ्लाइट

नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक एयरपोर्ट पर फंसे करीब 200 भारतीय यात्रियों को लेकर आ रही एअर इंडिया की फ्लाइट आज सुबह दिल्ली लैंड हुई है। यात्री गुरुवार रात से करीब 30 घंटे से फंसे थे। हंगामे के बाद फ्लाइट शुक्रवार रात करीब 10:30 बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। इनमें मध्य प्रदेश के कई यात्री भी शामिल हैं।

एअर इंडिया ने शुक्रवार शाम 7:15 बजे फ्लाइट AI4335 रवाना होने की जानकारी दी थी, लेकिन तय समय पर उड़ान नहीं भरी। रात 8 बजे बोर्डिंग शुरू हुई और करीब ढाई घंटे बाद फ्लाइट दिल्ली रवाना हुई। इससे पहले कुछ यात्री दूसरी फ्लाइट से भारत लौट चुके थे।

रन-वे से वापस आया विमान

इंदौर की दिव्या माहेश्वरी ने बताया कि वह थाईलैंड घूमने गई थीं। बैंकॉक से दिल्ली लौटना था। फ्लाइट रनवे पर पहुंचने के बाद अचानक वापस आ गई। यात्रियों ने केबिन क्रू से विमान के वापस आने की वजह पूछी। यात्रियों के मुताबिक, क्रू मेंबर्स ने तकनीकी खराबी की जानकारी दी। गुरुवार रात करीब 8:30 बजे तक यात्रियों को फ्लाइट में ही बैठाकर रखा गया।

गाले टेस्ट में भारतीय टीम ने 1 विकेट पर 101 रन बनाए

गाले। श्रीलंका के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला आज गाले में खेला जा रहा है। श्रीलंका के खिलाफ टॉस जीतकर भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 27 ओवर में 1 विकेट के नुकसान पर 101 रने बना लिए हैं। खबर लिखे जाने तक टीम के लिए केएल राहुल 77 गेदों पर नाबाद 32* रन और देवत्त पड़िक्कल ने 49 गेदों का सामना करते हुए नाबाद 35 रन बनाकर मैदान पर खेल रहे हैं। वहीं भारतीय टीम के ओपन यशस्वी जायसवाल 32 रन बनाकर ऑउट हो चुके हैं।

अवकाश की सूचना

स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में कल रविवार 16 अगस्त 2026 को दोपहर मेट्रो कार्यालय में अवकाश रहेगा। अगला अंक सोमवार 17 अगस्त को प्रकाशित होगा।

आजाद भारत में आजादी के भी अपने-अपने मायने हैं...!

भारत की आजादी के 79 वर्ष पूरे हुए हैं। इस दौरान देश ने बहुत कुछ बदला है, बहुत कुछ हासिल किया है और बहुत कुछ पीछे भी छोड़ा है। लेकिन एक सवाल आज भी उतना ही प्रासंगिक है - आजादी का अर्थ आखिर किसके लिए क्या है? आम आदमी के लिए आजादी शायद दो वक्त की रोटी, सम्मान से जीने, अपनी बात कहने और बिना भय के कानून का सहारा पाने का नाम है। लेकिन खास लोगों - नेताओं, अफसरों और सत्ता के आसपास रहने वालों के लिए आजादी के मायने अक्सर अलग दिखाई देते हैं।

प्रसंगवश

राजेश सिरोठिया

आजादी की लड़ाई के इतिहास को लेकर भी हमारी अपनी-अपनी धारणाएं हैं। कांग्रेस ने लंबे समय तक महात्मा गांधी के चरखे और जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व को स्वतंत्रता आंदोलन की केंद्रीय धुरी के रूप में प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, भगत सिंह, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाकउल्ला खान और ऐसे अनगिनत क्रांतिकारियों के योगदान को अपेक्षित स्थान नहीं मिला। नेताजी सुभाषचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज की भूमिका पर भी लंबे समय तक वैसी चर्चा नहीं हुई, जिसकी वह हकदार थी। सरदार पटेल जैसे नेताओं के योगदान को लेकर भी इतिहास की राजनीतिक व्याख्याओं पर सवाल उठते रहे हैं। लेकिन, आजादी केवल इतिहास की किताबों में दर्ज घटनाओं का नाम नहीं है। उसकी असली परीक्षा इस बात से होती है कि एक सामान्य नागरिक सत्ता के सामने कितना स्वतंत्र है।

अस्सी के दशक में भारतीय पुलिस सेवा के पितामह माने जाने वाले के.एफ. रुस्तम जी का इंटरव्यू करने का अवसर मिला था। संभवतः 1988-89 में भोपाल के पुलिस ऑफिसर्स मेस में हुई वह बातचीत आज भी मेरी स्मृति में जस की तस है। मैंने उनसे पूछा- 'गुलाम भारत और आज के भारत में आपको क्या फर्क नजर आता है?' उन्होंने बिना किसी लाग-लपेट के कहा - 'जरा भी नहीं।' मैं चौंका। पूछा - 'क्यों?' उन्होंने कहा - 'फर्क सिर्फ इतना है कि पहले गोरे अंग्रेज राज करते थे और अब उनकी जगह काले अंग्रेज हैं।' मैंने अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था का हवाला दिया तो उनका जवाब और ज्यादा चुभने वाला था - कानून का ऐसा मकड़जाल है जिसमें कमजोर फंसकर रह जाता है, लेकिन ताकतवर उसे तोड़कर साफ निकल जाता है।

करीब चार दशक बाद भी यह सवाल अपनी जगह खड़ा है....

व्याख्या करने वालों की नीयत और नजरिया

नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के बाद अब तथाकथित 'अर्बन नक्सल' और बौद्धिक वर्चस्व की बहस भी उसी संघर्ष का नया अध्याय बन गई है। सत्ता का दावा है कि वह देश को वैचारिक गुलामी से मुक्त कर रही है, जबकि उसके आलोचकों को भय है कि कहीं इस प्रक्रिया में असहमति की आजादी ही सीमित न हो जाए। सच यह है कि भारत की आजादी अक्षुण्ण है, लेकिन आजादी की व्याख्या करने वालों की नीयत और नजरिया अलग-अलग है। किसी के लिए आजादी सत्ता में आने की सीढ़ी है, किसी के लिए सत्ता से सवाल पूछने का अधिकार। किसी के लिए यह राष्ट्रवाद है, किसी के लिए असहमति। किसी के लिए सांस्कृतिक पुनर्जागरण, तो किसी के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता। इसलिए आज सबसे बड़ा सवाल यह नहीं कि भारत आजाद है या नहीं। सवाल यह है कि क्या इस आजादी का लाभ कमजोर से कमजोर भारतीय को भी उतना ही हासिल है, जितना ताकतवर को? क्योंकि आजादी तभी सार्थक है, जब कानून ताकतवर को भी उसी तरह बांधे, जैसे कमजोर को बांधता है। आजाद भारत में हर किसी की आजादी के अपने मायने हैं - अपने सपने हैं, अपनी महत्वाकांक्षाएं हैं और कभी-कभी अपनी साजिशें भी।

आगे-आगे देखिए, आजादी की यह कहानी भारत को किस दिशा में ले जाती है...!

देश ने आपातकाल भी देखा, जब संविधान और नागरिक स्वतंत्रताओं को सत्ता की जरूरतों के आगे लगभग बंधक बना दिया गया था। विरोध की आवाज दबाई गई और लोकतंत्र की संस्थाओं की परीक्षा हुई। उस दौर ने यह भी बता दिया कि आजादी केवल संविधान में लिखे अधिकारों का नाम नहीं है; उसे जीवित रखने के लिए संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों का साहस भी जरूरी है। नए भारत ने भी कई राजनीतिक दौर देखे। अटल बिहारी वाजपेयी का समावेशी और दूरदर्शी शासन, मनमोहन सिंह का दस वर्ष का दौर, अन्ना आंदोलन से निकली राजनीति और अरविंद केजरीवाल के प्रयोग के बाद नरेंद्र मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में भाजपा-आरएसएस की वैचारिक दिशा वाला नया दौर।

हर दौर ने आजादी को अपने तरीके से परिभाषित किया। किसी के लिए आजादी का मतलब सत्ता परिवर्तन रहा, किसी के लिए व्यवस्था परिवर्तन, किसी के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और किसी के लिए भारत को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की कोशिश। जेएनयू में कभी 'हमें चाहिए आजादी' के नारे गूंजते थे। सवाल तब भी यही था - किससे आजादी और किसके लिए आजादी? आज वे नारे कमजोर पड़े हैं, लेकिन आजादी की बहस खत्म नहीं हुई। बल्कि अब वह दूसरे रूप में सामने है। कभी संविधान बचाने के नाम पर राजनीति होती है, तो कभी संविधान की दुहाई देने वालों पर ही संविधान की भावना को कमजोर करने के आरोप लगते हैं।

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वृक्षों की जब करोगे रक्षा
तभी बनेगा जीवन अच्छा
सौजन्य से:
वन विभाग गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
बेटी बचाओ
बेटी पढ़ाओ
सौजन्य से.
महिला एवं बाल विकास विभाग गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
गाओ गीत, करो गुणगान
देश के किसानों का हो सम्मान
सौजन्य से.
कृषि विभाग गंजबासौदा

REALTY ORGANISER
CELEBRATE FREEDOM BUILD YOUR BUSINESS
This Independence Day
Smart Software for REAL ESTATE BUSINESS
GET 1 YEAR EXTRA ON YOUR SUBSCRIPTION
NO INTEGRATION CHARGES
NO SETUP & TRAINING CHARGES
PERSONAL SUPPORT
SEAMLESS INTEGRATIONS
99ACRES
MAGICBRICKS
HOUSING
HOMEONLINE
JUSTDIAL
WHATSAPP
FACEBOOK
9406588554
www.realtyorganiser.com

SAINT SRS
PUBLIC HR. SEC. SCHOOL
GANJ BASODA
वर्ष 2025-26 बोर्ड कक्षाओं का परीक्षा परिणाम
STATE MERIT
TANYA SHARMA
Class 12th - Science
9th Place in State Merit
DISTRICT LEVEL MERIT HOLDERS
SHRIPRIYA SONI
MANISH VISHWAKARMA
JATIN KUMAR
St SRS School परिवार की ओर से
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं!

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से:
एक देशभक्त गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से.
लोक निर्माण विभाग
गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से
आबकारी ठेकेदार
गंजबासौदा

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से
पीएचई विभाग, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
राकेश जैन विद्युत अध्यक्ष
अनिल दुबे सचिव
वंदे मातरम्
सौजन्य से.
रक्त सेवा समिति, गंजबासौदा
राजेश तिवारी
संस्थापक

स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से
जनपद पंचायत
अध्यक्ष गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
डॉ. विमलचंद्र ओसवाल
वरिष्ठ समाजसेवी
सौजन्य से:
राजीव, संजय, यश ओसवाल एवं
समस्त ओसवाल परिवार, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से:
सै.शफाकत हुसैन कादरी
सह संयोजक
मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
सौजन्य से-
नीरेन्द्र डे
निरीक्षक, राजस्व शाखा
नगरपालिका परिषद, गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
अमित दुबे पट्टू
वरिष्ठ कांग्रेस नेता

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
संजीव रघुवंशी
शिक्षक
शासकीय माध्यमिक
शाला चौरावर

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य से
स्व. श्री नारायण
सदाशिव पिंगले
सेवा संस्थान गंजबासौदा
सुनील बाबू पिंगले

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
हेलमेट-सीटबेल्ट का उपयोग करें
गति सीमा पालन करें
नशे में गाड़ी ना चलाएं
यातायात के सभी नियमों का पालन करें
वंदे मातरम्
सौजन्य से
यातायात पुलिस
गंजबासौदा
निरपत सिंह लोधी
प्रभारी

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
सौजन्य-
होटल पुखराज
गंजबासौदा
HOTEL PUKHRAJ
TRENDS

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
आकाश शर्मा
अध्यक्ष, युवक कांग्रेस

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
संदीप रघुवंशी
महामंत्री
भाजपा नगर मंडल

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
वंदे मातरम्
निवेदक-
पुष्पेन्द्र तिवारी, पटवारी
गंजबासौदा

सभी क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
वंदे मातरम्
निवेदक-
पृथ्वी सिंह रघुवंशी
शिक्षक गंजबासौदा

दोपहर मेट्रो परिवार की तरफ से
सभी पाठकों एवं विज्ञापन दाताओं को
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
समाचार एवं विज्ञापन
के लिए संपर्क करें
9425645454
7000483144
हरिनारायण विश्वकर्मा
संवाददाता, गंजबासौदा

जिनके अमर बलिदान से मिली स्वतंत्रता
उन वीरों को शत-शत नमन
नया मध्यप्रदेश
समानता का विश्वास, समावेशी विकास
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
स्वतंत्रता हमें केवल अधिकार नहीं देती, बल्कि यह कर्तव्य का स्मरण भी कराती है। आइए, हम सब मिलकर प्रदेश के समग्र विकास और समृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का संकल्प लें।
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
प्रदेशवासियों को
80वें स्वाधीनता दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
जुड़ें नए मध्यप्रदेश से
सीधा प्रसारण
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
D-11080/26

तिरंगे की छांव में

हर साल 15 अगस्त की सुबह देश के आसमान पर फहराता तिरंगा सिर्फ एक झंडा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सामूहिक उम्मीदों का प्रतीक है। यह दिन उन वीर क्रांतिकारियों और स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने का अवसर है, जिन्होंने अपने बलिदान से हमें विदेशी हुकूमत की गुलामी से मुक्त कराया। लेकिन जब हम स्वतंत्रता के लंबे सफर के बाद अपने अतीत और वर्तमान का आकलन करते हैं, तो एक सवाल बार-बार जेहन में कौंधता है– क्या 1947 में मिली राजनीतिक आजादी ही स्वतंत्रता की अंतिम मंजिल थी, या यह केवल एक बड़े सफर की शुरुआत थी?

एक राष्ट्र के रूप में भारत ने पिछले दशकों में अभूतपूर्व प्रगति की है। हम दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हैं, अंतरिक्ष में नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, और तकनीकी क्रांति के शीर्ष पर खड़े हैं। परंतु, क्या यह प्रगति समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक समान रूप से पहुंची है? स्वतंत्रता का असली अर्थ केवल लाल किले की प्राचीर से होने वाला भाषण या चौराहों पर बजने वाले देशभक्ति के गीत नहीं हैं।

आज के दौर में अलग हटकर सोचने का मतलब है स्वतंत्रता की पारंपरिक परिभाषा से बाहर निकलना। असली आजादी केवल औपनिवेशिक शासकों को विदा करने तक सीमित नहीं थी, बल्कि इसका वास्तविक उद्देश्य हर नागरिक को अभाव, भय और असमानता से मुक्त करना था। जब तक हमारे देश में गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक विषमता और न्याय में देरी जैसी बुनियादी समस्याएं बनी हुई हैं, तब तक हमारी स्वतंत्रता का चक्र अधूरा ही कहलाएगा।

वर्तमान परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्रता का अर्थ नए आयाम ले चुका है। आज की आजादी का मतलब विचारों की स्वतंत्रता से है, जहाँ हर नागरिक को बिना किसी भय के अपनी बात रखने और स्वस्थ संवाद कायम करने का अधिकार हो। आर्थिक स्वावलंबन का अर्थ यह है कि विकास केवल आंकड़ों की बाजीगरी में न दिखे, बल्कि हर हाथ को काम और हर परिवार को बुनियादी सुविधाएं मिलें। इसके साथ ही, आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, शुद्ध जल और सुरक्षित पर्यावरण देना भी आज के समय की सबसे बड़ी स्वतंत्रता है।

अक्सर हम देशभक्ति को केवल सीमाओं की सुरक्षा या खेल के मैदान में जीत तक सीमित कर देते हैं। लेकिन सच्ची देशभक्ति अपने नागरिकों के प्रति जवाबदेही और संवेदना में बसती है। जब एक डॉक्टर पूरी ईमानदारी से मरीज का इलाज करता है, एक शिक्षक बिना भेदभाव के बच्चे को शिक्षित करता है, और एक आम नागरिक सार्वजनिक नियमों का पालन करते हुए अपने कर्तव्यों को निभाता है, तो वही असली स्वतंत्रता दिवस मनाना होता है।

इस 15 अगस्त को, आइए हम केवल अतीत के गौरवगान तक सीमित न रहें। आइए एक संकल्प लें कि हम अपने लोकतंत्र को और अधिक समावेशी, पारदर्शी और संवेदनशील बनाएंगे। स्वतंत्रता कोई एक बार में हासिल हो जाने वाली उपलब्धि नहीं, बल्कि एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है जिसे हर दिन अपनी नीयत और कर्मों से सींचना पड़ता है। जब देश का अंतिम व्यक्ति भी गरिमा और सम्मान के साथ सिर उठाकर जी सकेगा, तभी हमारा स्वतंत्रता संग्राम सही मायनों में पूर्ण होगा।

स्वतंत्रता मतलब केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प

सौरभ वार्ष्णेय
स्तंभकार

भारत की स्वतंत्रता केवल विदेशी शासन से मुक्ति का नाम नहीं है। 15 अगस्त 1947 को देश ने राजनीतिक दासता की बेडियां तोड़ी थीं, लेकिन आजादी का वास्तविक अर्थ उससे कहीं व्यापक है। स्वतंत्रता का उद्देश्य केवल सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि ऐसा भारत बनाना था जहां प्रत्येक नागरिक सम्मान, समानता, न्याय और अवसर के साथ जीवन जी सके। जहां संविधान प्रधान हो, लोकतंत्र मजबूत हो, विविधता हमारी शक्ति बने और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता किसी भी परिस्थिति में कमजोर न पड़े। इसलिए स्वतंत्रता दिवस केवल उत्सव का दिन नहीं, बल्कि आत्ममंथन और संकल्प का अवसर भी है।

हर वर्ष 15 अगस्त को जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो उसके साथ करोड़ों भारतीयों की भावनाएं भी लहराती हैं। यह ध्वज हमें उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों की याद दिलाता है जिन्होंने अपना वर्तमान देश के भविष्य के लिए समर्पित कर दिया। किसी ने जेल की यातनाएं सहीं, किसी ने फांसी का फंदा चूमा, किसी ने परिवार और संपत्ति का त्याग किया तो किसी ने अपने जीवन के सुखों को राष्ट्र की स्वतंत्रता के लिए न्योछावर कर दिया। उनके लिए आजादी व्यक्तिगत सुविधा का साधन नहीं, बल्कि भारत के करोड़ों लोगों की गरिमा और भविष्य का प्रश्न थी।

आज जब हम स्वतंत्र भारत में सांस ले रहे हैं, तब यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से हमारे सामने खड़ा होता है कि क्या हमने उस आजादी के वास्तविक उद्देश्य को समझा है? क्या स्वतंत्रता केवल अधिकार मांगने तक सीमित रह गई है या हम अपने कर्तव्यों को भी उतनी ही गंभीरता से स्वीकार करते हैं? क्या लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने और सरकार बनाने का माध्यम है, अथवा जनता की आवाज सुनने, असहमति का सम्मान करने और संविधान की मर्यादा बनाए रखने की व्यवस्था भी है? इन प्रश्नों पर गंभीर चिंतन आवश्यक है।

स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी नहीं है। स्वतंत्रता हमें अधिकार देती है, लेकिन साथ ही जिम्मेदारी भी सौंपती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन उसका अर्थ यह नहीं कि झूठ, अफवाह, नफरत और सामाजिक विभाजन को बढ़ावा दिया जाए। राजनीतिक विरोध लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है, लेकिन विरोध का अर्थ राष्ट्रहित से समझौता करना नहीं हो सकता। सरकार से सवाल पूछना नागरिक का अधिकार है, लेकिन कानून और संस्थाओं के प्रति सम्मान बनाए रखना भी नागरिक जिम्मेदारी है। आज सोशल मीडिया के दौर में स्वतंत्रता का एक नया आयाम सामने आया है। सूचना का प्रसार पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज हो गया है। एक व्यक्ति कुछ सेकंड में ऐसी बात हजारों लोगों तक पहुंचा सकता है जिसकी सत्यता की उसने स्वयं जांच नहीं की। यही कारण है कि आज जिम्मेदार नागरिकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। फर्जी खबरें, भ्रामक सूचनाएं और अफवाहें सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचा सकती हैं। इसलिए डिजिटल युग की स्वतंत्रता के साथ विवेक और जिम्मेदारी भी जरूरी है।

आजादी की रक्षा केवल सीमा पर तैनात सैनिक नहीं करते। किसान अपने खेत में मेहनत करके, शिक्षक अपने विद्यार्थियों को शिक्षित करके, वैज्ञानिक नई खोज करके, श्रमिक उत्पादन करके, चिकित्सक सेवा करके, पत्रकार सच सामने लाकर और नागरिक कानून का पालन करके भी देश की स्वतंत्रता को मजबूत करते हैं। राष्ट्र निर्माण किसी एक संस्था या वर्ग की जिम्मेदारी नहीं है; यह प्रत्येक नागरिक का साझा दायित्व है।

भारत की पहचान उसकी विविधता में निहित है। यहां अलग-अलग भाषाएं हैं, अनेक संस्कृतियां हैं, विभिन्न खान-पान और वेशभूषाएं हैं, अलग-अलग परंपराएं हैं और जीवन के अनेक रंग हैं। इसके बावजूद हम एक राष्ट्र हैं। यही भारत की सबसे बड़ी विशेषता है। हमारी एकता किसी एकरूपता पर आधारित नहीं है। भारत को एक बनाने के लिए सभी लोगों का एक जैसा होना जरूरी नहीं। हमारी एकता का आधार यह भावना है कि अलग-अलग पहचान के बावजूद हम सब भारतीय हैं। यही विचार भारतीय राष्ट्रवाद को व्यापक और समावेशी बनाता है। आज जब दुनिया के अनेक हिस्सों में सामाजिक, धार्मिक और जातीय संघर्ष दिखाई देते हैं, तब भारत के लिए यह और भी आवश्यक है कि वह अपनी सामाजिक एकता को मजबूत रखे। किसी भी प्रकार की नफरत, भेदभाव और विभाजनकारी मानसिकता राष्ट्र की शक्ति को कमजोर करती है।

आजादी की रक्षा केवल सीमा पर बंदूक उठाकर नहीं होती; यह विद्यालय में शिक्षा देकर, खेत में अन्न उगाकर, कार्यालय में ईमानदारी से काम करके, न्यायालय में न्याय देकर, संसद में सार्थक बहस करके, पत्रकारिता में सत्य लिखकर और समाज में भाईचारा कायम करके भी होती है।15 अगस्त केवल कैलेंडर की एक तारीख नहीं है। यह भारत की आत्मा को याद करने का दिन है। यह स्वयं से सवाल करने का दिन है कि हमने देश से क्या पाया, लेकिन उससे भी बड़ा सवाल यह है कि हमने देश को क्या दिया। तिरंगा तभी वास्तव में गौरवान्वित होगा जब उसके नीचे खड़ा प्रत्येक भारतीय अपने अधिकारों के साथ अपने कर्तव्यों को भी समझेगा। लोकतंत्र तभी मजबूत होगा जब सत्ता और विपक्ष दोनों जनता के प्रति जवाबदेह होंगे। एकता तभी स्थायी होगी जब विविधताओं का सम्मान होगा। अखंडता तभी सुरक्षित होगी जब न्याय और समानता का विश्वास हर नागरिक के मन में होगा। आजादी हमें विरासत में मिली है, लेकिन उसकी रक्षा हर पीढ़ी को स्वयं करनी होगी। यही स्वतंत्रता दिवस का संदेश है। यही राष्ट्र के प्रति हमारा संकल्प होना चाहिए। और यही आजादी का असली मकसद है।--**जय हिंद वंदे मातरम्**

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

तारापुर गोलीकांड ... जहां 34 आजादी के दीवानों ने हंसते-हंसते दी शहादत

रंजीत कुमार विद्यार्थी
स्तंभकार

'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले,
वतन पर मरने वालों का यही बाकी निशां होगा...'

देश को आजादी कितनी कुर्बानियों के बाद मिली, शायद नई पीढ़ी इसका पूरा अंदाजा नहीं लगा सकती। स्वतंत्रता संग्राम के कुछ नाम इतिहास की पुस्तकों, फिल्मों, गीतों और सरकारी दस्तावेजों में बार-बार सामने आते हैं, लेकिन सैकड़ों ऐसे क्रांतिकारी भी रहे, जिनकी शहादत आजादी के दशकों बाद भी गुमनामी के अंधेरे में है। न तो उनके संघर्षों को पर्याप्त जगह मिली और न ही उनकी कुर्बानियों को वह सम्मान मिला, जिसके वे हकदार थे।

पंजाब के जलियांवाला बाग नरसंहार से देश का हर नागरिक परिचित है, लेकिन बिहार के तारापुर में हुए उस गोलीकांड की कहानी अपेक्षाकृत कम लोगों तक पहुंची, जिसमें 34 देशभक्तों ने मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। 15 फरवरी 1932 को मुंगेर जिले के तारापुर में घटित यह गोलीकांड बिहार के स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और रक्तरंजित घटना है। अंग्रेजी हुकूमत की गोलियों के सामने भी देशभक्त पीछे नहीं हटे। उनके होंठों पर 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' के नारे थे और हाथों में तिरंगा। सौ वर्षीय समाजवादी नेता और स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अंग्रेजों की गिरफ्त से बचते रहे धीरेंद्र यादव के अनुसार, तारापुर का यह गोलीकांड जलियांवाला बाग से भी बड़ी घटना थी। उनके मुताबिक 1931 के गांधी-इरविन समझौते को अंग्रेज सरकार द्वारा निष्प्रभावी किए जाने के विरोध में कांग्रेस ने सरकारी भवनों से यूनियन जैक उतारकर तिरंगा फहराने का निर्णय लिया था। इसी क्रम में शंभूगंज प्रखंड के खौजड़ी पहाड़ की गुफाओं में तारापुर थाना पर तिरंगा फहराने की योजना बनी। सैकड़ों लोगों ने इस अभियान में भाग लेने का निर्णय लिया। धावक दल में शामिल छत्रहार गांव के विश्वनाथ सिंह और रामचुआ गांव के महिपाल सिंह को तारापुर थाना भवन पर तिरंगा फहराने की जिम्मेदारी दी गई। 15 फरवरी 1932, सोमवार की दोपहर खौजड़ी पहाड़ से सैकड़ों आजादी के दीवाने तारापुर की ओर बढ़े। उनके हाथों में राष्ट्रीय ध्वज था और वे लगातार 'भारत माता की जय' तथा 'वंदे मातरम्' के नारे लगा रहे थे। अंग्रेजी प्रशासन ने उन्हें रोकने की कोशिश की। तत्कालीन कलेक्टर ई. ओली और पुलिस अधीक्षक डब्ल्यू. फ्लैग के नेतृत्व में पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चला दीं। गोलियां चलती रहीं, लेकिन देशभक्तों के कदम नहीं रुके। वे पीछे नहीं हटे। एक-एक कर अनेक लोग गोलियों का निशाना बनते गए, लेकिन तिरंगा फहराने का संकल्प नहीं टूटा। आखिरकार 34 देशभक्तों की शहादत के बाद तारापुर थाना भवन पर तिरंगा फहराया गया। यह केवल एक झंडा फहराने की घटना नहीं थी, बल्कि अंग्रेजी सत्ता को खुली चुनौती थी।

गोलीकांड के बाद अंग्रेजों ने शहीदों के शव वाहनों में लादकर सुल्तानगंज ले जाकर गंगा में बहा दिए। इस घटना में शहीद हुए 34 लोगों में से केवल 13 की ही पहचान हो सकी। शेष 21 शहीद आज भी इतिहास के पन्नों में अज्ञात हैं। पहचाने गए शहीदों में बांका जिले के शंभूगंज प्रखंड के छत्रहार गांव के विश्वनाथ सिंह, रामचुआ के महिपाल सिंह, असरगंज के शीतल, तारापुर के सुकुल सोनार, संता पासी, सतझरिया के झोंटी झा, बिहमा के सिंहेश्वर राजहंस, धनपुरा के बदरी मंडल, लौढ़िया के वसंत धानुक, पड़भाड़ा के रामेश्वर मंडल, महेशपुर के गैबी सिंह, कष्टिकरी के अशर्फी मंडल और चोरगांव के चंडी महतो शामिल थे।

बाकी शहीदों की पहचान नहीं हो सकी। कुछ शव गंगा की धारा में बह गए और हमेशा के लिए इतिहास के अंधेरे में खो गए। तारापुर शहीद स्मारक पर आज भी इन अज्ञात शहीदों की स्मृति दर्ज है।

तारापुर गोलीकांड इतना बड़ा था कि इसकी गूंज तत्कालीन बिहार-उड़ीसा विधान परिषद से लेकर ब्रिटिश संसद तक पहुंची। 18 फरवरी 1932 को सच्चिदानंद सिन्हा ने विधान परिषद में अल्पसूचित प्रश्न के माध्यम से इस घटना को उठाया। सरकार के मुख्य सचिव ने घटना की पुष्टि की थी। ब्रिटिश संसद में भारत सचिव सर सैमुअल होर ने भी इस घटना की जानकारी दी थी। स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास से जुड़े अनेक प्रमुख व्यक्तियों और लेखकों ने तारापुर की शहादत का उल्लेख किया है।

पूर्व राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने अपनी आत्मकथा के पृष्ठ 366 पर इस घटना का उल्लेख किया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 1942 में तारापुर की यात्रा के दौरान यहां के 34 शहीदों के बलिदान को याद किया था। क्रांतिकारी लेखक मनमथनाथ गुप्त, डी.सी. डिंकर, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, रामवृक्ष बेनीपुरी, रणवीर सिंह वीर, चतुर्भुज सिंह 'भ्रमर', डॉ. देवेंद्र प्रसाद सिंह, पूर्व विधायक जयमंगल सिंह शास्त्री, काली किंकर दत्ता और चंदर सिंह राकेश जैसे लेखकों ने भी तारापुर की शहादत को अपनी लेखनी में स्थान दिया। 4 अप्रैल 1932 को दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय कांग्रेस अधिवेशन में तारापुर के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इसके बाद 15 फरवरी को देशभर में तारापुर दिवस मनाने का निर्णय लिया गया।

आज जब हम स्वतंत्रता दिवस पर तिरंगा फहराते हैं और आजादी का उत्सव मनाते हैं, तब तारापुर के उन 34 शहीदों को याद करना केवल औपचारिक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि इतिहास के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इनमें से 13 के नाम हमें मालूम हैं, लेकिन 21 की पहचान आज भी इतिहास की धुंध में छिपी है। उनकी पहचान भले न हो सकी हो, उनकी शहादत अनाम नहीं है। तारापुर हमें याद दिलाता है कि आजादी केवल राजनीतिक सत्ता के हस्तांतरण का नाम नहीं, बल्कि असंख्य ज्ञात-अज्ञात लोगों के रक्त, त्याग और बलिदान से अर्जित स्वतंत्रता है। इसलिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर जब तिरंगा आसमान में लहराए, तो उसकी हर लहर में तारापुर के उन शहीदों की स्मृति भी हो, जिन्होंने अपनी आखिरी सांस तक 'वंदे मातरम्' और 'भारत माता की जय' का उद्घोष किया था। उनका स्मरण ही सच्ची श्रद्धांजलि है। उनकी शहादत को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना ही हमारा राष्ट्रीय दायित्व है।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

मुंह सूखा रहना और लार की कमी का थायरॉइड से हो सकता है कनेक्शन

हमारे मुंह को स्वस्थ रखने में लार की अहम भूमिका होती है। लार मुंह में मौजूद लार ग्रंथियों द्वारा बनती है। इसमें मौजूद एंजाइम भोजन में मौजूद स्टार्च को तोड़ने में सहायक होते हैं। लार मुंह को स्वस्थ रखने के साथ-साथ खाने को चबाने और निगलने में मददगार है। रिपोर्ट के अनुसार लार में मौजूद कैल्शियम और फॉस्फेट दांतों को मजबूत और बीमारियों से दूर रखने में सहायक होते हैं। वहीं थायरॉइड ग्लैंड शरीर में होने वाली सभी मेटाबोलिज्म को नियंत्रण करने का काम करती है और इस काम में सलाइवा ग्लैंड की भी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। थायरॉइड हार्मोन ज्ञ3 और ज्ञ4 लार ग्रंथियों को आवश्यक लार बनाने का आदेश देता है। इसलिए अगर हार्मोन का स्तर बिगड़ जाए तो लार की मात्रा सामान्य से कम होने लगती है। ऐसी स्थिति को जेरोस्टोमिया (ड्राई माउथ) की समस्या कहते हैं।

थयरॉइड ग्लैंड जब शरीर के लिए आवश्यक हार्मोन बनाने में सक्षम नहीं हो पाता है, तो शरीर में मौजूद कोशिकाओं में ऊर्जा का उत्पादन भी कम हो जाता है। इसमें लार ग्रंथियां भी शामिल होती हैं, जिसके परिणामस्वरूप लार की मात्रा भी कम होने लगती है और व्यक्ति को मुंह में सूखापन महसूस होने लगता है। हाइपोथायरायडिज्म का सबसे सामान्य कारण हाशिमोटो थायरॉयडिटिस को माना गया है। इन मरीजों में भी मुंह सूखने की समस्या होती है। इसके साथ ही हाइपरथायरायडिज्म में चिंता और तनाव भी सिम्पैथेटिक नर्वस सिस्टम को एक्टिव करने में सक्षम है, जो लार के उत्पादन को कम करने में सहायक है।

एक स्टडी के अनुसार थायरॉइड कैंसर के इलाज के दौरान रेडियोएक्टिव आयोडीन की मदद ली जाती है। इस ट्रीटमेंट की वजह से लार ग्रंथि को नुकसान पहुंचता है और मरीजों को ड्राई माउथ के साथ-साथ खाने में स्वाद ना मिल पाने जैसी परेशानियां शुरू जाती है।

ड्राई माउथ के इलाज के दौरान थायरॉइड की दवा को रोजाना लेने की सलाह दी जाती है। कुछ ऐसी दवाएं भी प्रिस्क्राइब की जाती हैं, जो लार बनाने में मदद कर सकें। शुगर-फ्री कैंडीज भी प्रिस्क्राइब की जा सकती है। इनके सेवन से मुंह में पर्याप्त लार बन सकती हैं। मुंह में आवश्यक लार बन सके इसलिए डॉक्टर इलेक्ट्रिकल स्टिमुलेशन या एक्यूपंक्चर की मदद भी ले सकते हैं। यह ट्रीटमेंट खासकर थायरॉइड कैंसर पेशेंट के लिए अपनाई जाती है। समय-समय पर डेंटल चेकअप की भी सलाह दी जाती है।

निशाना

काम हमने अजीब कर डाले

रामकिशोर नाविक

काम हमने अजीब कर डाले
हर कभी ओखली में सर डाले
वो जो अंदर से बहुत डरता है
उसने सबके दिलों में डर डाले
टोपियाँ खा गयीं हैं खुशहाली
जैसे चूहा चुनर कुतर डाले
राय माँगे तो उसी को देना
तेरा कहना जहाँ असर डाले
अपनी करनी नहीं देखी उसने
सारे इल्जाम राम पर डाले
उसको होता है अक्ल का हैज़ा
जो कड़ी नीम में शकर डाले
अपने अशआर की धुनाई कर
शेर वो कह ज़हन मतर डाले।

नॉलेज

विश्व का सबसे बड़ा हाइड्रोजन प्लांट तैयार सोलर और पवन ऊर्जा का हुआ इस्तेमाल

सऊदी अरब के लिए क्लीन एनर्जी भविष्य की जरूरत है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए सऊदी अरब में विश्व का सबसे बड़ा हाइड्रोजन प्लांट तैयार हुआ है, जहां सौर और पवन ऊर्जा तकनीक की मदद से रोजाना 600 टन कार्बन-फ्री हाइड्रोजन तैयार की जाएगी। खास बात है कि दुनिया के अन्य देशों में इसे पहुंचाने के लिए हाइड्रोजन को अमोनिया में बदला जाएगा। इसका सीधा फायदा कृषि क्षेत्र को होगा जहां अमोनिया का इस्तेमाल सीधे उर्वरक बनाने में किया जाएगा। साथ ही शिपिंग जहाजों में कम-कार्बन वाले ईंधन के रूप में भी अमोनिया का उपयोग होगा।

इंटरेस्टिंग इंजीनियरिंग की रिपोर्ट के अनुसार, सऊदी अरब में पूरे हुए प्रोजेक्ट का नाम 'ह्श्वह्रूग्रीन हाइड्रोजन एंड अमोनिया प्रोजेक्ट' है। इसकी डेवलपर कंपनी ACWA पावर है जिसने बताया है कि प्लांट को तैयार करने में 70 हजार करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। अब यह प्लांट टेस्टिंग और शुरू करने की प्रक्रिया में बढ़ रहा है। लक्ष्य रखा गया है कि प्लांट में अगले साल तक काम शुरू हो जाए। प्लांट में रोजाना 600 टन कार्बन-फ्री हाइड्रोजन तैयार की जाएगी। इसे दुनिया के बाकी देशों में अमोनिया के रूप में पहुंचाया जाएगा क्योंकि शुद्ध हाइड्रोजन को लंबी दूरी तक ले जाना बहुत कठिन और महंगा होता है। हाइड्रोजन को अमोनिया में बदलकर एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक आसानी से भेजा जा सकता है। इस प्लांट में सौर और पवन ऊर्जा का बड़ा सेटअप लगा है। यह इलेक्ट्रोलाइजर तकनीक की मदद से हाइड्रोजन को बनाएगा। जानकारी के अनुसार, प्लांट में हर साल 12 लाख टन ग्रीन अमोनिया बनाने का लक्ष्य है। अभी दुनिया में ग्रीन हाइड्रोजन का प्रोडक्शन छोटे स्तर पर होता है। NEOM प्रोजेक्ट से साबित होगा कि बड़े पैमाने पर भी ग्रीन हाइड्रोजन बनाई जा सकती है। फिलहाल इस प्लांट में तकनीक की टेस्टिंग होनी है जहां यह देखा जाएगा कि सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रोलाइजर, हाइड्रोजन प्रोसेसिंग और अमोनिया प्रोडक्शन से जुड़े सभी इंस्ट्रूमेंट्स आपस में सही से काम कर रहे हैं या नहीं।

कृषि क्षेत्र को मिलेगा फायदा: ग्रीन अमोनिया से सीधे उर्वरक बनाया जाएगा जिससे कृषि क्षेत्र को फायदा मिलेगा। साथ ही शिपिंग जहाजों के लिए कम-कार्बन वाले ईंधन के रूप में भी अमोनिया के उपयोग हो सकता है।

वायरल कंटेंट

बिकने को तैयार सैकड़ों साल पुरानी महल जैसी इमारत, कीमत 36 करोड़ से ज्यादा

क्या आपने कभी सोचा है कि अगर आपके पास करोड़ों रुपये हों तो आप एक आलीशान फ्लैट या आधुनिक बंगला खरीदने के बजाय सीधे एक ऐतिहासिक हवेली के मालिक बन जाएं? ऐसी जगह, जहां कदम रखते ही आपको आधुनिक दुनिया से अलग किसी पुराने राजसी दौर का एहसास हो। अगर आपका जवाब हां है तो इंग्लैंड से सामने आई यह खबर आपका ध्यान जरूर खींचेगी। सोशल मीडिया पर एक बेहद खूबसूरत और ऐतिहासिक हवेली की बिक्री की चर्चा हो रही है। दावा है कि इंग्लैंड के कॉट्सवोल्ड्स इलाके में मौजूद यह ऐतिहासिक घर अब बिक्री के लिए उपलब्ध है। इसे 'द ओल्ड रेक्टरी' के नाम से जाना जाता है और इसकी सबसे बड़ी खासियत इसकी उम्र है। बताया गया है कि यह इमारत 16वीं सदी की शुरुआत की है।सैकड़ों सालों के इतिहास को अपने भीतर समेटे यह घर आज भी अपनी पुरानी वास्तुकला और खूबसूरती को काफी हद तक संभाले हुए है।

सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाली बात इसकी कीमत है। इस ऐतिहासिक संपत्ति की गाइड कीमत £2.85 मिलियन बताई गई है, जो भारतीय मुद्रा में लगभग 36,65,81,535 रुपये के आसपास बैठती है। संपत्ति के विवरण के अनुसार, यह घर 16वीं सदी के शुरुआती दौर का है. इतनी पुरानी इमारत का आज भी अस्तित्व में होना अपने आप में बेहद खास है। समय के साथ कई ऐतिहासिक इमारतें खत्म हो गईं, बदल गईं या आधुनिक निर्माण में तब्दील हो गईं, लेकिन इस घर में अब भी पुरानी वास्तुकला की कई झलकियां दिखाई देती हैं।

पास्ट में ले जाता है महल: इस घर को देखकर ऐसा लगता है कि इसे पूरी तरह आधुनिक बनाने के बजाय इसकी ऐतिहासिक पहचान को बरकरार रखा गया है। इसमें पारंपरिक Cotswold stone का इस्तेमाल दिखाई देता है। इसकी पत्थर की दीवारें इमारत को बेहद अलग और पुराना रूप देती हैं। इसके अलावा घर में पारंपरिक शैली की खिड़कियां भी हैं। यही चीजें इस संपत्ति को किसी सामान्य लग्जरी घर से अलग बनाती हैं। हालांकि इसे शाही महल कहना तकनीकी रूप से सही नहीं होगा, लेकिन इसकी विशालता, पुरानी वास्तुकला और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि इसे किसी राजसी संपत्ति जैसा अनुभव जरूर देती है। संपत्ति के विवरण में बताया गया है कि घर के अंदरूनी हिस्सों में समय के साथ बनी पुरानी खूबसूरती दिखाई देती है। इसके कमरे और आंतरिक हिस्से आधुनिक चमक-दमक के बजाय पुराने दौर की पहचान को बरकरार रखते हैं।

मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में किया ध्वजारोहण

स्वतंत्रता दिवस पर नर्मदापुरम में शान से लहराया तिरंगा, देशभक्ति के रंग में रंगा पुलिस परेड ग्राउंड

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

स्वतंत्रता दिवस पर पुलिस परेड ग्राउंड में जिले का मुख्य समारोह उत्साह, उमंग और गरिमामय माहौल में आयोजित हुआ। मध्यप्रदेश शासन के सहकारिता एवं खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। सुबह करीब 9 बजे समारोह स्थल पर पहुंचने के बाद राष्ट्रीय गीत के बीच ध्वजारोहण किया गया और राष्ट्रगान हुआ। इसके बाद पुलिस एवं अन्य सुरक्षा दलों ने आकर्षक सलामी परेड प्रस्तुत की। मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया। हर्ष फायर के साथ समारोह स्थल देशभक्ति के जोश से गूंज उठा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के संदेश का सीधा प्रसारण किया गया। इसके बाद मंत्री सारंग ने मुख्यमंत्री दके संदेश का वाचन किया।

मुख्य अतिथि ने तिरंगे गुब्बारे आसमान में छोड़े। इसके बाद विभिन्न दलों ने शानदार मार्च पास्ट किया। दल नायकों से परिचय प्राप्त करने के साथ स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवारों और लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। समारोह में स्कूली बच्चों ने पीटी का शानदार प्रदर्शन किया। छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देकर दर्शकों का मन मोह लिया। मैदान में मौजूद लोगों ने तालियों से बच्चों का उत्साह बढ़ाया।

उत्कृष्ट कार्य करने वालों का सम्मान

समारोह के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले प्रतिभागियों और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए। राष्ट्रीय गीत और राष्ट्रगान के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का गरिमामय समापन हुआ। समारोह में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, विधायक विजयपाल सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, कलेक्टर सोमेश मिश्रा, एसपी साईं कृष्णा एस. थोटा सहित प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, पुलिसकर्मी, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिवार, लोकतंत्र सेनानी और बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

179 का रक्त समूह परीक्षण, विद्यार्थियों को दिए कार्ड

गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं जागरूकता को ध्यान में रखते हुए रक्त सेवा समिति मध्यप्रदेश के सहयोग से निःशुल्क रक्त समूह परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान कुल 179 छात्र-छात्राओं का निःशुल्क रक्त समूह परीक्षण किया गया। परीक्षण के बाद प्रत्येक विद्यार्थी को उसके रक्त समूह की जानकारी का कार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को रक्त समूह की उपयोगिता, रक्तदान के महत्व तथा आवश्यकता के समय रक्त की उपलब्धता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। कार्यक्रम में रक्त सेवा समिति के संस्थापक राजेश तिवारी, अध्यक्ष राकेश जैन, सचिव अनिल दुबे, सह-सचिव सुनील अहिरवार एवं पैथोलॉजिस्ट सुनील अहिरवार सहित समिति के सदस्यों की सहभागिता रही। विद्यालय की ओर से प्राचार्य एम.सी. शर्मा, प्रदीप चौरसिया, शिल्पांजना सहित विद्यालय परिवार ने शिविर के आयोजन में सहयोग प्रदान किया।

E-mail id- mobhopal@gmail.com

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला भोपाल

क्रमांक / 763/ खनिज / 2026 **भोपाल, दिनांक 27/07/2026**

म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18 (1-क) के अंतर्गत उत्खनिपट्टा / पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति (जो भी लागू हो) प्राप्त करने के लिए,

प्रथम सूचना

यह सूचित किया जाता है कि राम भरोस पता-म.नं. 183, वार्ड नं. 03, बहौरी, हुजूर, पोस्ट बहौरी, जिला भोपाल म.प्र. द्वारा उत्खनिपट्टा प्राप्त करने हेतु निम्न क्षेत्र पर ऑनलाइन आवेदन पत्र दिनांक 23.07.2026 को प्रस्तुत किया गया है। प्रकाशन दिनातक से 30 दिवस तक इस क्षेत्र पर यथास्थिति उत्खनिपट्टा/पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति आवेदन ऑनलाइन आमंत्रित किये जाने हेतु आवेदन ई-खनिज 2.0 पोर्टल https://mines.mp.gov.in पर प्रस्तुत किये जायगे हैं।

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

जिला	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार शासकीय/निजी	खनिज का नाम	रिमार्क
भोपाल	हुजूर	मालीखेडी	246	3.999 हेक्ट	शासकीय	यांत्रिकी क्रिया गिट्टी बनाने के लिये पत्थर (अर्थात् क्रेशर के उपयोग हेतु)	-

1. उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में अन्य इच्छुक आवेदकों से विज्ञप्ति प्रकाशित होने की तारीख से आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि तक (कार्यालयीन समय सायं 05:30 बजे तक ऑनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं।
2. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति के उपरांत आवेदन प्राप्त होने की अंतिम तिथि तक 03 अथवा उससे अधिक अन्य आवेदकों के आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं, तो प्रथम आवेदन पत्र एवं प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
3. यदि प्रकाशित विज्ञप्ति में उल्लेखित आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि तक 03 से कम आवेदन पत्र प्राप्त होते हैं तो पुनः 15 दिवस की अवधि आवेदन प्राप्त करने हेतु निर्धारित कर विज्ञप्ति प्रकाशित की जाएगी। विज्ञप्ति प्रकाशन के दिनांक से 15 दिवस के भीतर अन्य आवेदक भी उपरोक्त आवेदित क्षेत्र पर आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकेंगें। उपरोक्त अवधि में प्राप्त आवेदन पत्र तथा पूर्व प्रकाशित विज्ञप्ति की अवधि के दौरान प्राप्त सभी आवेदन पत्रों को म.प्र. गौण खनिज नियम, 1996 के नियम 21 के तहत् अधिमान्यता तय करने के आशय से उसी दिन प्राप्त किया गया समझा जाएगा।
4. यदि प्रथम एवं द्वितीय विज्ञप्ति के उपरांत भी निर्धारित समयावधि में अन्य कोई आवेदन पत्र प्राप्त नहीं होता है तो प्रथम आवेदक के पक्ष में नियमानुसार खनिरियायत स्वीकृति पर विचार किया जा सकेगा।
5. निर्धारित समयावधि के उपरांत प्राप्त आवेदन पत्रों को विचार में नहीं लिया जाएगा।

प्रभारी अधिकारी (खनिज) जिला भोपाल, म.प्र.

जी-17102/26

कार्यालय थाना प्रभारी, थाना स्टेशन बजरिया भोपाल

क्र./था.प्र./स्टे. बजरिया/Q-1/2026/भोपाल **दिनांक- 12/08/2026**

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि स्टेशन बजरिया भोपाल के मर्ग क्र. 24/2026 धारा 194 BNSS में अज्ञात पुरुष उम्र करीबन 55 साल जिसका हूलिया कद-5 फीट 07 इंच लगभग, शरीर-सामान्य, बाल-उमर से गंजापन तथा साइड के बाल काले, दाढ़ी व मूंछ के बाल सफेद, मटमैले रंग की शर्ट के अंदर खाकी रंग की डी-शर्ट तथा खाकी रंग की पैंट पहने है गली नं 07 झरका नगर थाना स्टेशन बजरिया में मिला था जिसकी उपरांत के दौरान मृत्यु हो गयी है। जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि इस मृत व्यक्ति व परिजन के संबंध में किसी को कोई जानकारी हो या इसके परिजन हो तो थाना स्टेशन बजरिया भोपाल के मोबाइल नं 9479990523 अथवा जांचकर्ता प्रभार 2275 हरिनारायण के मो. नं. 7587601964 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना स्टेशन बजरिया, भोपाल (म.प्र.)

जी-17095/26

" बच्चों की मुस्कान है अनमोल, इसे सुरक्षित रखें हर हाल "

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
वर्धमान फैब्रिक्स लिमिटेड, बुधनी

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
रौनक जार्ज, समिति प्रबंधक
सौजन्य से -सेवा सहकारी समिति जासलपुर

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
भूपेन्द्र चौकसे (जनपद अध्यक्ष)-
राधेश्याम बारवे मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जनपद पंचायत, नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी, नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
खनिज ठेकेदार, नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
जिला प्रबंधक, मप्र स्टेट सिविल
सप्लाइज कार्पोरेशन लि.नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
जिला प्रबंधक, मप्र राज्य सहकारी
विपणन संघ मर्यादित, नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
उपसंचालक, कृषि विकास एवं
किसान कल्याण नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
महाप्रबंधक, मप्र ग्रामीण सड़क
विकास प्राधिकरण ,नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
जिला आबकारी अधिकारी, नर्मदापुरम

प्रदेशवासियों को स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक शुभकामानाएं
जिला खनिज अधिकारी, नर्मदापुरम

पुलिस सेवा में पहला उदाहरण, बाल आरक्षक से निरीक्षक बने

भोपाल। दोपहर मेट्रो

पुलिस सेवा की सबसे निचली पायदान बाल आरक्षक से शुरुआत कर निरीक्षक बनने वाले अनिल भदौरिया कर्तव्यनिष्ठा, ईमानदारी और निर्भीकता की मिसाल हैं। इंस्पेक्टर अनिल भदौरिया राष्ट्रपति के विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित हुए। पिता के पुलिस विभाग में सिपाही रहते निधन के बाद 1 फरवरी 1983 को महज 15 वर्ष की उम्र में अनुकंपा नियुक्ति से पुलिस सेवा में आए। 1985 में आरक्षक और आठ साल बाद प्रधान आरक्षक बने। वर्ष 2015 में लोकायुक्त विशेष पुलिस स्थापना, भोपाल संभाग में उपनिरीक्षक पद पर पदस्थ हुए और इस समय लोकायुक्त थाने में एसएचओ(प्रभारी निरीक्षक) तैनात हैं। इंस्पेक्टर अनिल भदौरिया ने 42वें वर्ष तक पांच पदोन्नतियां हासिल कीं। जून 2029 में सेवानिवृत्ति तक वे करीब 47 साल की पुलिस सेवा पूरी करेंगे। 2017 में लोकायुक्त कमेंडेशन डिस्क व प्रशस्ति पत्र और 2018 में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित हुए। अब तक उन्हें 400 से अधिक विभागीय व सार्वजनिक सम्मान मिल चुके हैं। 9 वर्ष में सिर्फ 6 अवकाश लेने वाले भदौरिया ने 41 साल के सेवाकाल में 200 दिन अवकाश ही लिए। वर्ष 2000 के आठ वर्षीय बालिका दुष्कर्म-हत्या मामले में तीन माह की मेहनत से आरोपी को इंदौर से गिरफ्तार कराया।

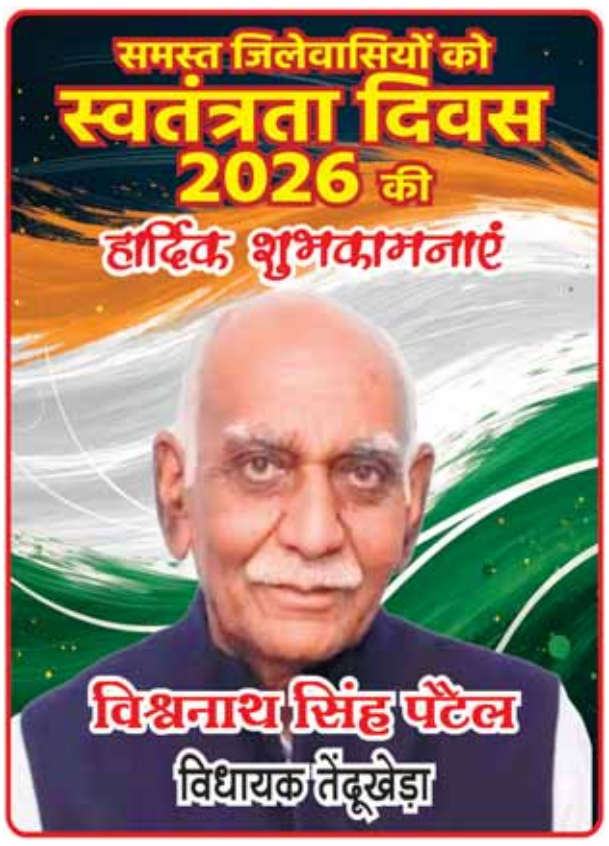

अभिषेक पोरेल पर कानूनी शिकंजा,

कोर्ट ने जमानत ठुकराई, भेजा 14 दिन न्यायिक हिरासत में, युवती की शिकायत पर बढ़ी मुश्किलें

शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने और दुर्व्यवहार के आरोप

कोलकाता , एजेंसी

बंगाल और दिल्ली कैपिटल्स के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। एक युवती की शिकायत से जुड़े मामले में चिनसुरा कोर्ट ने उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी और उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पोरेल को मोगरा पुलिस ने युवती की शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया था। शिकायत में शादी का वादा कर यौन संबंध बनाने और दुर्व्यवहार करने के आरोप लगाए गए हैं। हालांकि, इन आरोपों की पुष्टि अदालत में होना अभी बाकी है।

23 वर्षीय पोरेल को इससे पहले 11 अगस्त को अदालत में पेश किया गया था। उस समय कोर्ट ने उन्हें तीन दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था। पुलिस हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद सोमवार को उन्हें दोबारा अदालत में पेश किया गया। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

23 जून को दर्ज हुई थी शिकायत

यह मामला 23 जून से चल रही पुलिस जांच से जुड़ा है। कर्नाटक में मेडिकल की पढ़ाई कर रही एक युवती ने उसी दिन मोगरा थाने में पोरेल के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दोनों करीब साढ़े तीन साल से एक-दूसरे के संपर्क में थे। बताया गया कि दोनों ने शादी की योजना भी बनाई थी और साथ में विदेश यात्रा कर चुके थे।

पुराने विवाद की भी जांच

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, करीब 18 महीने पहले दोनों के बीच विवाद हुआ था और उस समय भी मामला पुलिस तक पहुंचा था। हालांकि, तब एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। मौजूदा शिकायत के बाद पुलिस ने मामले की जांच तेज की और पोरेल की तलाश शुरू की।

घर पर नहीं मिले तो बढ़ी कार्रवाई

पुलिस ने पोरेल के चंदननगर स्थित घर पर कई बार दबिश दी, लेकिन वह वहां नहीं मिले। इसके बाद शिकायतकर्ता ने कलकत्ता हाई कोर्ट का रुख किया। हाई कोर्ट ने मोगरा पुलिस को पोरेल की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए। इसके बाद पुलिस ने उन्हें कोलकाता से गिरफ्तार कर लिया और मामले में संबंधित धाराओं के तहत कार्रवाई की।

क्रिकेट करियर के बीच कानूनी संकट

अभिषेक पोरेल बंगाल के नियमित खिलाड़ी हैं और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा रह चुके हैं। मैदान पर अपनी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग के लिए पहचान बनाने वाले पोरेल अब कानूनी मामले के चलते सुर्खियों में हैं। फिलहाल अदालत के आदेश के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक अकाउंट को भी छोड़ा पीछे

'बेबी बॉस' का जलवा, इंस्टाग्राम पर 76 लाख फॉलोअर्स

नई दिल्ली , एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी का स्टारडम मैदान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर भी तेजी से बढ़ रहा है। महज 15 साल की उम्र में क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचाने वाले वैभव अब सोशल मीडिया पर भी अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। उनके इंस्टाग्राम अकाउंट पर करीब 76 लाख फॉलोअर्स हो गए हैं। खास बात यह है कि उन्होंने अपनी आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट को भी पीछे छोड़ दिया है।

14 अगस्त के आंकड़ों के मुताबिक वैभव सूर्यवंशी के इंस्टाग्राम पर करीब 7.6 मिलियन यानी 76 लाख फॉलोअर्स हैं, जबकि राजस्थान रॉयल्स के आधिकारिक अकाउंट पर करीब 6.6 मिलियन यानी 66 लाख फॉलोअर्स हैं। यानी वैभव अपनी ही आईपीएल टीम से लगभग 10 लाख फॉलोअर्स आगे निकल चुके हैं। यह आंकड़ा बताता है कि कम उम्र में ही वैभव की लोकप्रियता किस तेजी से बढ़ रही है।

हर पोस्ट पर लाखों लाइक, जबरदस्त फैन क्रेज

वैभव की सोशल मीडिया लोकप्रियता का अंदाजा उनके पोस्ट की पहुंच से भी लगाया जा सकता है। उनके इंस्टाग्राम पोस्ट को औसतन 19.32 लाख से ज्यादा लाइक मिल रहे हैं। वहीं, हर पोस्ट पर औसतन 12 हजार से ज्यादा कमेंट भी आ रहे हैं। युवा क्रिकेटर की हर नई तस्वीर, वीडियो और मैच से जुड़ी पोस्ट पर प्रशंसकों की जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिलती है।

जिम्बाब्वे में बल्ले से मचाया धमाल | वैभव का हालिया प्रदर्शन भी उनकी बढ़ती लोकप्रियता की बड़ी वजह है। जिम्बाब्वे दौरे पर उन्होंने तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 151 रन बनाए और सीरीज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए। निर्णायक तीसरे मुकाबले में उनकी 81 रन की विस्फोटक पारी भारत की जीत की सबसे बड़ी वजह बनी। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने क्रिकेट प्रशंसकों को खासा प्रभावित किया।

15 साल की उम्र में बनाया बड़ा रिकॉर्ड

वैभव ने महज 15 साल 99 दिन की उम्र में 4 जुलाई 2026 को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। इसके कुछ ही दिनों बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ उन्होंने केवल 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया। 15 साल 118 दिन की उम्र में यह उपलब्धि हासिल कर वह पुरुष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। वैभव का अगला बड़ा पड़ाव दलीप ट्रॉफी है, जो 23 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होगी। वह ईस्ट जोन के उपकप्तान की जिम्मेदारी संभालेंगे। इसके बाद उनकी नजर एशियन गेम्स 2026 पर होगी। जापान के आइची प्रांत में 24 सितंबर से शुरू होने वाले टी20 क्रिकेट मुकाबलों के लिए भारतीय टीम में उनका चयन हो चुका है। मैदान पर लगातार धमाकेदार प्रदर्शन और सोशल मीडिया पर बढ़ता क्रेज बता रहा है कि भारतीय क्रिकेट को एक नया सुपरस्टार मिल चुका है।

हाकी विश्व कप का आगाज आज : 5 दशक का सूखा खत्म करने मैदान में उतरेगी टीम इंडिया

कप्तान हरमनप्रीत और कोच फुल्टन के सामने इतिहास बदलने की चुनौती

एम्स्टेलवीन (नीदरलैंड्स), एजेंसी

आज से हॉकी विश्व कप का आगाज होने जा रहा है। भारत अपने अभियान का शुरुआत वेल्स के खिलाफ करेगा। मैच शाम 4. 30 बजे से शुरु होगा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम 51 साल से चले आ रहे विश्व कप खिताब के इंतजार को खत्म करने के इरादे से मैदान में उतरेगी। नीदरलैंड्स और बेल्जियम में 15 से 30 अगस्त तक होने वाले पुरुष हॉकी विश्व कप में भारत की नजर खिताब पर है। भारत ने आखिरी बार 1975 में विश्व कप जीता था। इसके बाद टीम पोडियम तक भी नहीं पहुंच सकी।

भारतीय टीम वेल्स के खिलाफ अब तक कोई मुकाबला नहीं हारी है। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह 220 इंटरनेशनल गोल कर चुके हैं। कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मुख्य कोच क्रेग फुल्टन की अगुवाई में भारतीय टीम इस लंबे इंतजार को खत्म करने की कोशिश करेगी। पेरिस ओलंपिक में भारत को कांस्य पदक दिलाने वाले फुल्टन के सामने इस बार चुनौती और बड़ी है। प्रतियोगिता में दुनिया की 16 टीमें हिस्सा ले रही हैं और नया प्रारूप भी टीमों की परीक्षा लेगा। भारत को पूल डी में रखा गया है। इस समूह में उसके साथ वेल्स, इंग्लैंड और चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान हैं। प्रत्येक टीम अपने समूह की बाकी तीन टीमों से एक-एक मुकाबला खेलेगी। शीर्ष दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। बाकी समूहों में पूल ए में नीदरलैंड्स, अर्जेंटीना, न्यूजीलैंड और जापान हैं। पूल बी में बेल्जियम, जर्मनी, फ्रांस और मलेशिया हैं, जबकि पूल सी में ऑस्ट्रेलिया, स्पेन, आयरलैंड और दक्षिण अफ्रीका शामिल हैं।

अनुभव और युवा जोश से सजी टीम

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने पिछले दो वर्षों से साथ काम कर रहे खिलाड़ियों के समूह पर भरोसा जताया है। हरमनप्रीत लगातार दूसरे विश्व कप में कप्तानी करेंगे। मंदीप सिंह और मनप्रीत सिंह चौथी बार विश्व कप खेलेंगे। वहीं मोहित एचएस, सूरज करकरा, यशदीप सिवाच, आदित्य अर्जुन लालगे, राजिंदर सिंह, जुगराज सिंह, संजय और शिलानंद लाकड़ा पहली बार विश्व कप में उतरेंगे।

हालिया प्रदर्शन सबसे बड़ी चिंता

विश्व कप से पहले भारतीय टीम की हालिया लय चिंता का विषय है। भारत विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर है। प्रो लीग सत्र में टीम का प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा और वह अंक तालिका में दूसरे आखिरी स्थान पर रही। हालांकि यूरोप में भारत ने नीदरलैंड्स, जर्मनी और पाकिस्तान को हराया। इंग्लैंड के खिलाफ भी भारतीय टीम ने रोमांचक मुकाबला जीतकर आत्मविश्वास हासिल किया।

हरमनप्रीत के कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी

भारत की सबसे बड़ी ताकत कप्तान हरमनप्रीत सिंह का पेनल्टी कॉर्नर पर प्रहार है। उनकी ताकतवर ड्रैग फ्लिक बड़े मुकाबलों का रुख बदल सकती है। हालांकि हालिया मुकाबलों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के अनुरूप नहीं रहा है। यूरोप में पिछले आठ मुकाबलों में वह केवल एक गोल कर सके। अभिषेक, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह और मंदीप सिंह जैसे खिलाड़ियों से भी गोल करने की बड़ी उम्मीदें हैं। खासकर अभिषेक फील्ड गोल के मामले में भारत के अहम हथियार बनकर उभरे हैं।

पीएम मोदी का लालकिला से ऐलान

खिलाड़ियों की खोज के लिए चलेगा प्रतिभा खोज अभियान

नई दिल्ली। भारत अपनी आजादी की 80वीं वर्षगांठ मना रहा है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लालकिला की प्राचीर से तिरंगा झंडा फहराया और देश को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में देश में खेल, खिलाड़ियों की संभावनाओं, खेल के लिए सरकार की भविष्य की योजना और ओलंपिक 2036 की मेजबानी की दावेदारी करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पीएम मोदी ने कहा, मैंने पहले भी कहा है कि जो खेलेगा वो खिलेगा। भारत खेल की दुनिया में अपनी जगह बना रहा है। अब खेल के पोडियम पर भारत का राष्ट्रगीत सुनाई देता है। भारत का राष्ट्रगान सुनाई देता है। तिरंगा लहराता दिखाई देता है। टॉप्स योजना ने बहुत बड़ी सफलता पाई है। खेल इंडिया गेम्स, यूनिवर्सिटी गेम्स, विंटर गेम्स, बिच गेम्स, खेल संरचनाएं, खेल के लिए कोचिंग, स्पोर्ट्स मेडिसीन, स्पोर्ट्स के लिए पोषण के क्षेत्र में भारत महारत हासिल कर रहा है।

उन्होंने कहा, नौजवानों के लिए बहुत बड़ा क्षेत्र खुल रहा है। भारत के पदकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हम 2026 में ओलंपिक के मजबूत दावेदार बनकर आगे बढ़ रहे हैं। 2030 में भारत कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी करने वाला है। दुनिया में ओलंपिक खेलों में 40 प्रकार के खेल होते हैं जिसमें करीब 325 से 350 प्रतिस्पर्धाएं होती हैं। हम दो तिहाई खेलों में नहीं होते। हम क्वालीफाई नहीं करते। पीएम ने कहा, ÷हम युवाओं से आग्रह करते हैं कि हम 2036 में ओलंपिक की मेजबानी की दावेदारी कर रहे हैं।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

सिंधी समुदाय की अनकही कहानी लेकर आ रहे इंद्रजीत लंकेश, बोले-जेन जी भी करेगी कनेक्ट

हिंदुस्तान-पाकिस्तान विभाजन के बाद हजारों लोग अपने घर-गलियों से हमेशा के लिए दूर हो गए। सिंधी समुदाय ने भी कई पीढ़ियों तक ये तकलीफ झेली, लेकिन उनकी कहानी आज तक पर्दे पर नहीं आई। इसे ध्यान में रखते हुए मशहूर निर्देशक इंद्रजीत लंकेश अपने दर्शकों के लिए सिंध समुदाय पर आधारित फिल्म जय हिंद जय सिंध अ लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

इंद्रजीत लंकेश ने आईएएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उन्होंने फिल्म को इस कदर बनाया है, जिससे आज की जेन जी भी जुड़ सकेगी। उनका मानना है कि जब कोई व्यक्ति अपनी पहचान, इतिहास और अपने पूर्वजों की विरासत के लिए संघर्ष करता है, तो यह अपने आप में एक भावुक और संवेदनशील मुद्दा बन जाता है। यही फिल्म की कहानी की पृष्ठभूमि है।

उन्होंने कहा, ÷भारत में हम सभी को मिल-जुलकर और प्यार से रहना चाहिए। हमें ऐसे पड़ोसियों की तरह नहीं बनना चाहिए, जो धर्म, जमीन या अपने स्वार्थ को लेकर आपस में लड़ते रहें। हमें कभी ऐसी स्थिति में नहीं पहुंचना चाहिए, जहां हम एक-दूसरे से प्यार और भाईचारा करना ही भूल जाएं। भारत एक बहुत खूबसूरत देश है, जहां अलग-अलग संस्कृतियां, भाषाएं, धर्म और क्षेत्र हैं। इतनी विविधताओं के बावजूद यहां के लोग एक साथ मिलकर रहते हैं और एक देश के रूप में जुड़े हुए हैं। यही भारत की असली पहचान है और यही संदेश हम युवा पीढ़ी और जेन जी तक पहुंचाना चाहते हैं।

जेन जी के लिए अच्छा प्लेटफार्म

निर्देशक इंद्रजीत लंकेश से सवाल किया, आज सोशल मीडिया की वजह से दर्शक अपनी राय खुलकर रखते हैं और लगभग हर फिल्म को लेकर अपनी प्रतिक्रिया देते हैं। क्या आपको लगता है कि फिल्म इंडस्ट्री में लोगों की राय और दबाव पहले से बढ़ गया है इस पर उन्होंने कहा, नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। सोशल मीडिया आज की युवा पीढ़ी और जेन जी के लिए एक बहुत अच्छा प्लेटफॉर्म है। इसकी सबसे बड़ी खासियत यह है कि अब मीडिया की ताकत आम लोगों और युवाओं के हाथ में भी है। निर्देशक ने बताया कि करियर के शुरुआती दिनों में वह लेखन और पत्रकारिता से जुड़े थे। उन्होंने बताया, एक पत्रकार होने के नाते मैंने इस बदलाव को बहुत पहले महसूस किया था।

रक्षा क्षेत्र में सुधारों का असर भारत का रक्षा उत्पादन और निर्यात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। रक्षा क्षेत्र में पिछले एक दशक में किए गए व्यापक सुधारों के चलते भारत सैन्य उपकरणों के उत्पादन और निर्यात के मामले में मजबूत, आत्मनिर्भर और वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय शक्ति के रूप में उभरा है। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर सरकार की ओर से जारी फैक्टशीट के अनुसार, देश का रक्षा उत्पादन 2025-26 में रिकॉर्ड 1.78 लाख करोड़ पर पहुंच गया, जो 2013-14 में महज 4,746 करोड़ था। 2025-26 में रक्षा उत्पादन में सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयों की हिस्सेदारी 76 प्रतिशत रही, जबकि निजी क्षेत्र ने 24 प्रतिशत योगदान दिया। भारत के रक्षा निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। रक्षा निर्यात 2013-14 में 686 करोड़ से बढ़कर 2025-26 में 38,424 करोड़ रुपये हो गया। भारतीय सैन्य उपकरणों को अब 80 से अधिक देशों में बाजार मिल रहा है। 2025-26 में कुल रक्षा निर्यात में निजी क्षेत्र का योगदान 17,353 करोड़ रुपये यानी 45.16 प्रतिशत रहा, जबकि रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों ने 21,071 करोड़ यानी 54.84 प्रतिशत का योगदान दिया। केंद्र सरकार ने 2029 तक सालाना 3 लाख करोड़ का रक्षा उत्पादन और 50,000 करोड़ का रक्षा निर्यात हासिल करने का लक्ष्य तय किया है। रक्षा क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास के लिए आवंटन भी बढ़ाया गया है। यह राशि 2014-15 में 13,716.14 करोड़ से बढ़कर 2026-27 में 29,100.25 करोड़ हो गई है, जो 112 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है।

सोना इस हफ्ते 2 हजार रुपए से अधिक महंगा हुआ, चांदी 2.33 लाख के पार

नई दिल्ली । सोने और चांदी में इस हफ्ते तेजी देखने को मिली, जिससे दोनों कीमती धातुएं क्रमशः 2 हजार रुपए से अधिक महंगी हो गई हैं। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम इस हफ्ते 2,742 रुपए बढ़कर 1,52,363 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जबकि पहले यह 1,49,621 रुपए प्रति 10 ग्राम पर था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,39,565 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,37,053 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,14,272 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,12,216 रुपए प्रति 10 ग्राम था।

इस हफ्ते सोने में सबसे न्यूनतम दाम 10 अगस्त को शाम के सत्र में 1,50,641 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया। वहीं, उच्चतम दाम 12 अगस्त को शाम के सत्र में 1,53,419 रुपए प्रति 10 ग्राम देखा गया।

सोने के साथ चांदी की कीमत में भी तेजी देखने को मिली है। चांदी का दाम 2,469 रुपए बढ़कर 2,33,842 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 2,31,373 रुपए प्रति किलो था। इस हफ्ते चांदी में उच्चतम दाम 12 अगस्त को शाम के सत्र में 2,37,214 रुपए प्रति किलो देखा गया। वहीं, न्यूनतम दाम 10 अगस्त को शाम के सत्र में 2,31,373 रुपए प्रति किलो देखा गया। आईबीजेए की ओर से दिन में दो बार सुबह और शाम के सत्र में सोने और चांदी की कीमतों को जारी किया जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने का दाम 4,440 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 65 डॉलर प्रति औंस के करीब पहुंच गया है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने और चांदी में तेजी की वजह महंगाई का लगातार घटना है, जो कि अमेरिका में जुलाई में घटकर 3.4 प्रतिशत हो गई है, जो कि जून में 3.5 प्रतिशत थी। इससे फेड की ओर से ब्याज दर बढ़ाने की संभावनाओं में करीब कमी आई है।

अनुपम खेर ने बुजुर्गों के सम्मान पर दिया जोर, कहा-

युवाओं के पास रफ्तार, बड़ों के पास तजुर्बा

मुंबई । अभिनेता अनुपम खेर सोशल मीडिया पर बहुत एक्टिव रहते हैं और अक्सर अपने विचार शेयर करते रहते हैं। अभिनेता ने इंस्टाग्राम के जरिए युवा पीढ़ी को बुजुर्गों का सम्मान करने का संदेश दिया।

वीडियो जारी करते हुए अभिनेता कहते हैं, दोस्तों, आज के समय में एक नया शब्द बहुत सुनने को मिलता है, इर्रेलिवेंट या रिडनडन्ट्। मजेदार बात ये है कि ये शब्द बुजुर्गों के लिए बहुत सुनने को मिलता है। मैं सोचता हूं कि क्या उम्र बढ़ते ही बुजुर्गों का सॉफ्टवेयर पुराना हो जाता है। क्या उम्र बढ़ने के बाद भगवान नोटिफिकेशन भेजते हैं, %आपकी सेवा की अब आवश्यकता नहीं है,% जो लोग बुजुर्गों को बेकार या फालतू कहते हैं। अभिनेता ने आगे कहा, ÷ऐसे लोगों से मेरा छोटा सा सवाल है कि आपके माता पिता, दादा-दादी, नाना-नानी नहीं हैं। क्या वे भी आपके लिए इर्रेलिवेंट (बेमतलब), रिडनडन्ट् की श्रेणी में हैं। दुनिया का इतिहास उठाकर देखिए कि कितने वैज्ञानिकों, लेखकों, कलाकारों और विचारकों ने 70 से 80 की उम्र में कमाल का काम किया है। क्योंकि जवानी आपको एनर्जी देती है, लेकिन उम्र आपको तजुर्बा देती है और ये किसी ऑनलाइन टूल पर नहीं मिलता है और न ही आप इसे कहीं से डाउनलोड कर सकते हैं। इसे जीना पड़ता है और ये युवा पीढ़ी को समझना बहुत जरूरी है। युवाओं के पास रफ्तार है, तो बुजुर्गों के पास उस रास्ते का तजुर्बा है, जिसकी बहुत जरूरत होती है। अभिनेता ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा, कभी-कभी युवाओं को लगता है कि उन्हें सब पता है। लेकिन बुजुर्गों को पता है कि सब किसी को नहीं पता है। यही उम्र सिखाती है कि बुजुर्ग किसी समाज का बोझ नहीं है ये एक चलता फिरता इतिहास है। इसलिए किसी इंसान को किसी वजह से उसे इर्रेलेवेंट मत कहें।÷

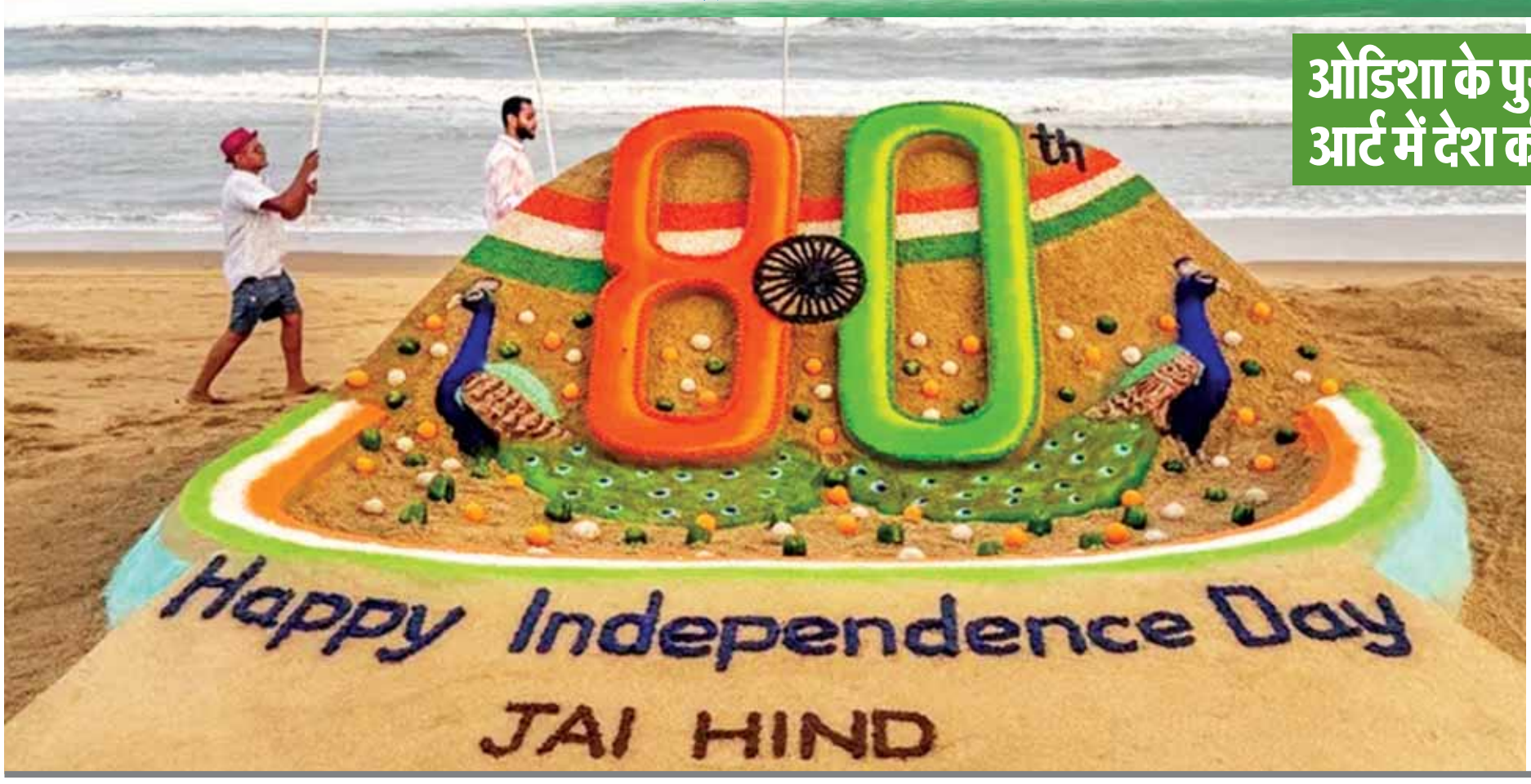

ओडिशा के पुरी बीच पर सैंड आर्ट में देश की अद्भुत छवि

ओडिशा के पुरी बीच पर प्रसिद्ध सैंड आर्टिस्ट सुदर्शन पटनायक ने 80वें स्वतंत्रता दिवस की थीम पर आधारित मनमोहक सैंड आर्ट बनाई। इसमें राष्ट्रीय पर्व की भव्यता और तिरंगे की शान को खूबसूरती से उकेरा गया। उन्होंने अपनी रेत कला में राष्ट्रीय पक्षी मोर के जोड़े को दिखाया है। कला में उन्होंने 80 को दो रंगों से उकेरा है। 'आठ' अंक को जहां लाल रंग से लिखा है, वहीं 'शून्य' को हरे रंग में पिरोया है। लाल रंग जहां गुस्से का प्रतीक है, वहीं-हरा रंग हरियाली और समृद्धि का प्रतीक है। वे अपनी कला से यह कहना चाहते हैं कि यह आज का भारत है, जो देश पर आंच आए तो एकजुट होकर मोर्च पर खड़ा मिलता है। लेकिन उसका मूल ध्येय देश की समृद्धि है।

न्यूज विंडो

स्कूल कैंटीन में पेटीज खाने के बाद बिगड़ी हालत, 12वीं के छात्र की मौत

जयपुर। जयपुर के झोटवाड़ा इलाके के महाराणा प्रताप स्कूल में 12वीं कक्षा के छात्र प्रिंस सोनी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। बृजमंडल कॉलोनी निवासी 17 साल का प्रिंस टिफिन लेकर स्कूल नहीं गया था। वह दोस्तों के साथ स्कूल की कैंटीन में गया और सभी ने पेटीज खाई। परिजनों का आरोप है कि पेटीज खाने के कुछ ही देर बाद प्रिंस की तबीयत खराब होने लगी। वह कक्षा में पहुंचा और शिक्षक को तबीयत के बारे में बताया। इसी दौरान वह क्लास में ही बेहोश होकर गिर गया। सीसीटीवी फुटेज में भी वह पेटीज खाने के बाद काफी परेशान नजर आ रहा है और स्कूल परिसर में दौड़ता दिखाई दे रहा है। वह पानी पीने जाता है, लेकिन रास्ते में ही जमीन पर गिर पड़ता है। शिक्षिका उसे संभालती हैं।

मणिपुर के कांगपोकपी में आतंकी फायरिंग में एक की मौत, 3 घायल

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले में नगा जनजाति के एक गांव में शुक्रवार को आतंकवादियों की ओर से की गई फायरिंग में 34 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अत्याधुनिक हथियारों से लैस आतंकवादियों के एक समूह ने सुबह लगभग 8 बजे लंगका नगा गांव पर हमला किया। डब्ल्यू. चावांग नाम के एक व्यक्ति को मौके पर ही मृत पाया गया। उसे सिर में गोली लगी थी। हमले में तीन अन्य ग्रामीण घायल हो गए। स्थानीय लोगों का दावा है कि नगा गांव के एक सशस्त्र समूह ने हमले के बाद संदिग्ध आतंकवादियों पर भी फायरिंग की। उल्लेखनीय है कि मई 2023 से मणिपुर में मैतेई और कुकी समूहों के बीच जातीय संघर्ष में 260 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं।

हास्य व्यंग्य कवि 'मनमौजी' को खेल मंत्री ने किया सम्मानित

भोपाल। हास्य व्यंग्य के कवि उमाशंकर 'मनमौजी' को खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने पत्रकारिता के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'अभिनंदन पत्र' देकर सम्मानित किया। पद्मश्री हास्यकवि काका हाथरसी ने उन्हें एक कवि सम्मेलन में 'मनमौजी' उपनाम दिया था। दुबे भोपाल के कई थानों के टीआई रहे हैं। एसडीओपी रहते राष्ट्रपति पुरस्कार से नवाजे गए। पुलिस सेवा के पहले ५ साल तक पत्रकारिता में जुटे रहे। रिटायरमेंट के बाद महात्मा गांधी केंद्रीय विवि, वर्धा से पत्रकारिता की पढ़ाई पूरी की, फिर से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हो गए। वे नवभारत, नईदुनिया, युगधर्म, महाकोशल, दैनिक हिन्दुस्तान, नवभारत टाइम्स, दिल्ली प्रेस में भी सेवाएं दी हैं। उन्हें पं. गोपाल प्रसाद व्यास ने 'खोजी पत्रकार' का सम्मान दिया था।

अमेरिका-ईरान युद्ध के बीच बयानों के वार...

होर्मुज अमेरिका का होगा: ट्रम्प किसी धमकी से नहीं डरेंगे: ईरान

लखनऊ, देहरादून एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान को हराने के बाद वे होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिका का 'इलाका' घोषित करेंगे। वे न्यूयॉर्क में रिपब्लिकन पार्टी की रैली को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने यह बात कही। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है, जब अमेरिका और ईरान करीब छह महीने से चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए समझौते की कोशिश कर रहे हैं। ट्रम्प के इस बयान के बाद ईरान ने भी पलटवार किया। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने कहा कि होर्मुज ईरान की था, है और रहेगा। इसे किसी ट्वीट या चुनावी भाषण के जरिए नहीं कब्जाया जा सकता। उन्होंने कहा कि ईरान न तो धमकियों से डरता है और न ही किसी ताकत के आगे झुकता है।

होर्मुज स्ट्रेट दुनिया का सबसे अहम समुद्री रास्ता माना जाता है। इसी रास्ते से दुनिया के कई देशों तक तेल, प्राकृतिक गैस और खाद पहुंचती है। युद्ध शुरू होने से पहले दुनिया की करीब 20% तेल सप्लाई इसी रास्ते से गुजरती थी।

ट्रम्प ने अमेरिका के लोगों को पेट्रोल के बढ़ते दामों के लिए अलर्ट रहने के लिए कहा। ईरान को 'बुराई से भरा देश' बताते हुए कहा कि संघर्ष जारी रहने तक अमेरिकी लोगों को महंगे पेट्रोल के लिए तैयार रहना चाहिए। कहा, यदि ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकना है तो अमेरिकियों को पेट्रोल के लिए थोड़ा ज्यादा पैसा देने के लिए तैयार रहना होगा।

अमेरिका में पट्रोल एक साल में 29 फीसद महंगा

अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत 4.08 डॉलर प्रति गैलन रही। यह एक साल में 29 फीसदी बढ़ गई है। एक साल पहले यह 3.16 डॉलर प्रति गैलन थी। ट्रम्प दावा कर चुके हैं कि अमेरिका का इस समुद्री मार्ग पर पूरा नियंत्रण है और वह नियंत्रण में बनाए रखेगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट में अमेरिकी नौसैनिक नाकाबंदी को स्टील की दीवार बताया। हालांकि ईरान ने अमेरिकी दावे खारिज कर कहा, होर्मुज स्ट्रेट बंद है और जब तक उसकी शर्तें नहीं मानी जातीं, इसे नहीं खोला जाएगा। पर्शियन गल्फ स्ट्रेट अथॉरिटी ने भी कहा कि अमेरिका के बार-बार यह कहने से कि होर्मुज स्ट्रेट खुल गया है, जमीनी हकीकत नहीं बदलती।

ईरान ने रखीं ये शर्तें

सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहम्मद बाघेर जोलघदार के मुताबिक, अमेरिका को जंग हमेशा के लिए खत्म करनी होगी। ईरान की समुद्री नाकाबंदी हटानी होगी। क्षेत्र से अपने सैनिक वापस बुलाने होंगे। सभी प्रतिबंध हटाने होंगे

इंडोनेशिया में लगे भूकंप के झटकों से 5 लोगों की मौत

» सरकार ने सूनीमी की चेतावनी की जारी

जकार्ता, एजेंसी

इंडोनेशिया के फ्लोरेस द्वीप के पास शनिवार सुबह 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया। भूकंप से अब तक पांच लोगों की मौत की सूचना मिली है।

अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र द्वीप के उत्तरी तट से लगभग 68 किलोमीटर (42 मील) उत्तर-पश्चिम में एंदे शहर के पास था। भूकंप की गहराई अपेक्षाकृत कम 10 किलोमीटर थी। प्रारंभिक भूकंप के बाद उसी क्षेत्र में 5.6 और 5.9 तीव्रता के दो और तेज आफ्टरशॉक महसूस किए गए। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने भूकंप के कारण सुनामी लहरें उत्पन्न होने की संभावना को लेकर चेतावनी जारी की है। शुरुआती झटके के बाद उसी क्षेत्र में कई तेज झटके आए, जिनमें से एक की तीव्रता 6.1 थी। अस्पताल ग्राहक सेवा अधिकारी लुकास लोटार ने एएफपी को बताया कि अचानक यह हिलने लगा और मैं घबरा गया। उन्होंने एएफपी को बताया कि मरीज भी अस्पताल से भाग गए, झटका बहुत बड़ा था। मैंने देखा कि कुछ दीवारों में दरारें आ गई थीं। इंडोनेशिया की मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी (बीएमकेजी) ने चेतावनी दी है कि भूकंप से सुनामी की लहरें उत्पन्न होने की संभावना है।

कर्नाटक में गुटखा बैन वापस लिया जाएगा सुपारी उत्पादकों के नुकसान का दिया हवाला

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने गुटखा और तंबाकू युक्त पान मसाला पर लगाए गए साल भर के प्रतिबंध को वापस लेने का फैसला किया है। यह आदेश लागू होने के महज दो दिन बाद लिया गया। विभिन्न दलों के विधायकों ने चेतावनी दी थी कि इससे सुपारी उत्पादकों को भारी नुकसान हो सकता है। मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भाजपा और कांग्रेस विधायकों के साथ बैठक के बाद अधिकारियों को आदेश वापस लेने का निर्देश दिया। बैठक का नेतृत्व भाजपा विधायक अरगा ज्ञानेंद्र और कांग्रेस विधायक डी.जी. शांतन गौड़ा ने किया। उन्होंने आशंका जताई कि प्रतिबंध से सुपारी बाजार प्रभावित होगा और किसानों को नुकसान उठाना पड़ेगा। एक अधिकारी के अनुसार, यह मुद्दा गुरुवार को कैबिनेट बैठक में भी उठा। सीएम शिवकुमार इस बात से नाराज थे कि खाद्य सुरक्षा आयुक्त का आदेश उनकी जानकारी के बिना जारी किया गया।

हिमाचल के नालागढ़ थाने में IED ब्लास्ट मामले में NIA को बड़ी सफलता, धमाके के तीन आरोपी गिरफ्तार

शिमला, एजेंसी

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने सोलन जिले के नालागढ़ पुलिस थाना के समीप हुए आइईडी धमाके मामले में तीन मुख्य आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

आरोपितों की पहचान महावीर कुमार उर्फ काका, अजय मेहरा और मनप्रीत सिंह उर्फ मणि के रूप में हुई है। आरोपितों को शुक्रवार को शिमला स्थित विशेष एनआइए अदालत में पेश किया।

अदालत ने आरोपित महावीर कुमार और अजय मेहरा को आठ दिन की एनआइए पुलिस कस्टडी (रिमांड) में भेजने का आदेश सुनाया। तीसरे आरोपित

मनप्रीत सिंह को न्यायिक हिरासत में भेजा है। एनआइए अब रिमांड के दौरान महावीर और अजय से धमाके की साजिश, फंडिंग और इसमें शामिल अन्य लोगों के इस बारे में पूछताछ करेगी। एनआइए की अब तक की जांच में इन तीनों आरोपितों की साजिश को अंजाम देने और विस्फोटक प्लांट करने में मुख्य भूमिका सामने आई है। पुलिस रिमांड के दौरान इस साजिश के पीछे छिपे असली आकाओं और उनके मंसूबों का पता चल सकेगा। एक जनवरी 2026 को नालागढ़ पुलिस थाना परिसर में आइईडी धमाका हुआ था। शुरुआत में स्थानीय पुलिस इसकी जांच कर रही थी। मामले में आतंकी या किसी बड़े संगठित गैंग का हाथ होने के अंदेशे को देखते हुए गृह मंत्रालय ने इसकी जांच केंद्रीय एजेंसी को सौंपने का फैसला किया। इसके बाद आठ मई को एनआइए ने इस केस को आधिकारिक रूप से अपने हाथों में लेकर नए सिरे से एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू की थी।

मेट्रो एंकर बच्चों की पसंदीदा कुकीज के एक बैच में मिली बड़ी गड़बड़ी, रहें सावधान

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में लोटे चोको पाई असुरक्षित घोषित, बिक्री पर रोक

दुर्ग, एजेंसी

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में लोकप्रिय लोटे चोको पाई के एक बैच को लैब जांच में तय सीमा से अधिक परिरक्षक पाए जाने के बाद मानव उपभोग के लिए 'असुरक्षित' घोषित कर दिया गया है। इसकी बिक्री, भंडारण और वितरण पर तत्काल प्रतिबंध लगा दिया गया है। बाजार से इसकी वापसी के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। इस बैच पर निर्माण की तारीख 10 अप्रेल 2026 लिखी है, जबकि समाप्ति की तारीख 9 अप्रेल 2027 है। इसका बैच नंबर एनएम10डीसी2 है। यह 675 ग्राम के वजन में है।

दुर्ग स्थित खाद्य एवं औषधि प्रशासन के खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने सैंपल लिए थे। जांच के लिए भोपाल स्थित कैली लैब प्राइवेट लिमिटेड को भेजा था। 13 अगस्त को जारी आधिकारिक आदेश के अनुसार, 21 जुलाई की प्रयोगशाला रिपोर्ट में परिरक्षकों की मात्रा तय सीमा से अधिक मिली।

कंपनी को लौटा दें...

जिला प्रशासन ने दुर्ग में तत्काल प्रभाव से इस बैच की बिक्री, स्टॉक और वितरण पर रोक लगा दी। व्यवसाय संचालकों को यह भी निर्देश दिया गया है कि जहां भी स्टॉक बचा हो, उसे वापस मंगाने की प्रक्रिया शुरू करें। आदेश में आगे यह निर्देश दिया गया है कि वापस मंगाए गए उत्पादों का निपटान खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक नियम, 2011 के प्रावधानों के अनुसार किया जाए।

निर्माता कंपनी से किया संपर्क

दुर्ग स्थित खाद्य एवं औषधि प्रशासन के नामित अधिकारी जितेंद्र कुमार नेले की मानें तो जिले में एक सैंपल अमानक पाया गया था। इसलिए इस विशेष बैच पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयुक्त को भी सूचना दे दी गई है, ताकि पूरे प्रदेश में यह बैच प्रतिबंधित किया जा सके। उन्होंने बताया कि चेन्नई स्थित निर्माता को भी औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। नेले ने कहा, 'देशव्यापी रिकॉल की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए चेन्नई स्थित निर्माता को भी सूचना दे दी गई है। हमने कंपनी से पत्राचार किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे देश भर से उत्पाद को वापस मंगा लें।' अफसरों ने चेतावनी भी दी कि यदि प्रतिबंधित बैच की बिक्री किसी ने भी की तो उस पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अब दुर्ग प्रशासन ने निर्माता कंपनी से भी संपर्क किया है।

स्टॉक की निगरानी की जा रही

अफसरों ने कहा कि परिरक्षकों का अत्यधिक स्तर बच्चों के लिए विशेष रूप से चिंता का विषय है। उन्होंने कहा, 'परिरक्षकों का स्तर मानक सीमा से अधिक है, जो बच्चों के लिए हानिकारक है।' फिलहाल, यह कानूनी रूप से लागू प्रतिबंध दुर्ग जिले के भीतर विशिष्ट बैच पर ही लागू है। अधिकारियों ने खाद्य सुरक्षा आयुक्त को छत्तीसगढ़ में व्यापक कार्रवाई की संभावना के बारे में सूचित कर दिया है, जबकि निर्माता के साथ पत्राचार का उद्देश्य देश के अन्य हिस्सों के बाजारों से भी इसी बैच को वापस मंगवाना है। जिला आदेश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों को रिकॉल प्रक्रिया की निगरानी करने, बाजार में अभी भी उपलब्ध स्टॉक की पहचान करने और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564